राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 05 अक्टूबर 2022 वर्ष-5,अंक-249 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कानपुर : गंगा में समाये 6 लोग

1 युवक की मौत समेत 4 किशोरियां, 1 युवक लापता : बिल्हौर के कोठी घाट पर हुआ हादसा

कानपुर। मंगलवार को कानपुर के बिल्हौर में एक और बड़ा हादसा हुआ। अरौल की कोठी घाट पर गंगा नहाते समय 6 लोग डूब गए हैं, इसमें एक युवक की मौत हो गई है। जबकि एक युवक और चार किशोरियां गंगा में लापता हैं। पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है और गंगा में उनकी तलाश की जा रही है। घाट पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र है। पुलिस और प्रशासन के अफसर भी पहुंच गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने छह एंबुलेंस मौके पर हैं। कानपुर नगर से करीब 50 किमी पश्चिम में बिल्हौर के अरौल कस्बे में बरंडा गांव निवासी संदीप कटियार ने मकनपुर रोड पर रेडीमेड कपड़ों की दुकान खोली है। रविवार को दुकान का उद्घाटन था, जिसमें संदीप के रिश्तेदार कानपुर और फरुर्खाबाद से घर पर आए थे। मंगलवार को संदीप के रिश्तेदार कानपुर कल्याणपुर के बैरी निवासी 15 वर्षीय अनुष्का उर्फ दिव्या पुत्री विनय कुमार, उसकी बहन अंशिका, कानपुर पनकी निवासी 20 वर्षीय सौरभ पुत्र राम सिंह, फरुर्खाबाद के हब्बापुर निवासी 20 वर्षीय अभय पुत्र रामबाबू, प्रदीप की 17 वर्षीय पुत्री तनुष्का, उसकी बहन 13 वर्षीय अनुष्का, सृष्टि व गौरी समेत आठ लोग क्षेत्र के कोठी घाट पर गंगा स्नान करने पहुंचे थे। सभी लोग गंगा नहाने के लिए पानी में उतर गए और सृष्टि व गौरी किनारे पर रुक गईं। उन्होंने बताया कि नहाने के दौरान तनुष्का गहराई में जाने से डूबने लगी तो उसे बचाने के प्रयास बाकी सभी छह लोग भी डूब गए। सबको डूबता देखकर उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग बचाने के लिए गंगा नदी में कूद गए। इसके बाद उसने फोन करके घर पर सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से डूबे लोगों की तलाश शुरू की। कुछ देर बाद गोताखोरों ने सौरभ को बाहर निकालकर सीएचसी भेजा। सीएचसी में डॉक्टर ने सौरभ को मृत घोषित कर

दिया। मौके पर सीओ राजेश कुमार, इंस्पेक्टर अतुल कुमार सिंह गोताखोरों की सहायता से रेस्क्यू अभियान में जुटे हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी पहुंच गए हैं। कानपुर नगर से स्वास्थ्य विभाग की सरकारी एंबुलेंस सेवा की 108 की तीन और 102 की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। सभी एंबुलेंस कोठी घाट पर खड़ी हैं, घाट पर भारी भीड़ जमा हो गई है।

शशि थरूर बोले: बड़े नेताओं से समर्थन की उम्मीद नहीं, हर किसी के साथ की जरूरत

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के उम्मीदवार शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कभी भी पार्टी के बड़े नेताओं से समर्थन की उम्मीद नहीं की थी और अब भी नहीं करते हैं, लेकिन उन्हें सभी लोगों के साथ की जरूरत है। चुनाव प्रचार के लिए केरल पहुंचे थरूर ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सुधाकरन ने सार्वजनिक रूप से यह घोषणा की है कि वह थरूर के प्रतिद्वंद्वी मल्लिकार्जुन खड़गे का समर्थन करेंगे। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य थरूर ने संवाददाताओं से कहा कि वह चुनाव से पीछे हटकर उन लोगों के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहते जो अब तक उनका समर्थन करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं पार्टी के बड़े नेताओं से किसी तरह के समर्थन की उम्मीद नहीं कर रहा था और अब भी नहीं कर रहा हूं। वास्तव में, पिछले दिनों मैंने नागपुर, वर्धा और हैदराबाद में पार्टी के कार्यकताओं से मुलाकात की थी। कार्यकर्ता मुझसे चुनाव लड़ने और इससे पीछे नहीं हटने के लिए कह रहे हैं। थरूर का कहना था, मैंने उन्हें भरोसा दिलाया है कि मैं पीछे नहीं हटूंगा। मैं उन लोगों के साथ विश्वासघात नहीं करूंगा जिन्होंने अब तक मेरा समर्थन किया है। मुझ पर उनका जो विश्वास है वही मुझे आगे बढ़ने की ताकत देता है। कांग्रेस सांसद के अनुसार, उनके ज्यादातर समर्थक युवा नेता हैं और पार्टी कार्यकर्ता हैं, हालांकि उन्हें हर किसी के समर्थन की जरूरत है। यह पूछे जाने पर कि क्या सुधाकरन की टिप्पणी उन लोगों को हतोत्साहित करने के लिए है जो उनका समर्थन कर रहे हैं, तो थरूर ने कहा, हो सकता है। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर रहा हूं। मैं यह नहीं बता सकता कि लोगों के दिमाग में क्या चल रहा है।

उत्तराखंड: हिमस्खलन ने ढहायी बड़ी आफत

11 लापता, पर्वतारोहण संस्थान के 29 ट्रेनी बर्फ में फंसे, 8 को रेस्क्यू किया, 9 शव मिले

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में डोकरानी बामक ग्लेशियर में आज एवलांच हो गया। जानकारी के अनुसार, एवलांच की चपेट में आने से नेहरू पर्वतारोहण संस्थान(निम) के कई प्रशिक्षक वहां फंसे थे। निम कर्नल अजय बिष्ट ने बताया कि इस दौरान नौ पर्वतारोहियों के शव बरामद हुए हैं। वहीं, 25 पर्वतारोही अभी भी लापता हैं। डीआईजी एसडीआरएफ रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि एयरफोर्स से शासन ने संपर्क किया है। तीन हेलीकॉप्टर पूरे क्षेत्र की रेकी करेंगे। एसडीआरएफ कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने बताया कि सहस्त्रधारा हेलीपैड से एसडीआरएफ की पांच टीमें घटनास्थल के लिए रवाना हो गई हैं। तीन टीमों को रिजर्व में रखा गया है। जरूरत पड़ने पर इन टीमों को भी रवाना किया जाएगा। नेहरु पर्वतारोहण संस्थान निम का डोकरानी बामक ग्लेश्यिर में द्रोपदी डांडा-2 पहाड़ी पर बीते 22 सितंबर से बेसिक/एडवांस का प्रशिक्षण चल रहा था। जिसमें बेसिक प्रशिक्षण 97 प्रशिक्षार्थी, 24 प्रशिक्षक व निम के एक अधिकारी समेत कुल 122 लोग शामिल थे। जबकि एडवांस कोर्स में 44 प्रशिक्षणार्थी व नौ प्रशिक्षक समेत कुल 53 लोग शमिल थे। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि क्रेवांस में फंसे लोगों को निकालने के लिए निम द्वारा रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। घटना स्थल पर निम के पास दो सेटेलाइट फोन मौजूद हैं। रेस्क्यू अभियान के लिए निम के अधिकारियों के साथ निरन्त समन्वय किया जा रहा है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट पर जानकारी दी कि उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से इस मामले में बात की है। उन्होंने लिखा कि रेस्क्यू अभियान में तेजी लाने के लिए सेना की मदद लेने के लिए अनुरोध किया गया है, जिसको लेकर उन्होंने हमें केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता देने के लिए आश्वस्त किया है।

खोखले चुनावी वादे न करें राजनीतिक दल, इलेक्शन कमीशन ने लेटर लिख किया आगाह

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में आयोग ने राजनीतिक दलों को चुनावी वादों को लेकर आगाह किया है। इसमें राजनीतिक दलों से कहा गया है कि वह कोई भी खोखला चुनावी वादा न करें। जो भी चुनावी वादा किया जाए उसमें इस बात का ख्याल रखा जाए कि क्या वह आर्थिक रूप से क्या पूरे किए जाने लायक हैं। आयोग ने कहा है कि वह चुनावी वादों पर पूर्ण जानकारी ना देने और उसके वित्तीय स्थिरता पर पड़ने वाले अवांछनीय प्रभाव की अनदेखी नहीं कर सकता है। खोखले चुनावी वादों के दूरगामी प्रभाव होते हैं। राजनीतिक दलों द्वारा किए गए चुनावी वादों की घोषणा संबंधी प्रस्तावित प्रारूप में तथ्यों को तुलना योग्य बनाने वाली जानकारी की प्रकृति में मानकीकरण लाने का प्रयास किया गया है। प्रस्तावित प्रारूप में वादों के वित्तीय निहितार्थ और वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता की घोषणा करना अनिवार्य है। सुधार के प्रस्ताव के जरिये, निर्वाचन आयोग का मकसद मतदाताओं को घोषणापत्र में चुनावी वादों की वित्तीय व्यवहार्यता के बारे में बताना है। साथ ही यह भी बताना है कि क्या वे राज्य या केंद्र सरकार की वित्तीय क्षमता के भीतर हैं या नहीं।

जम्मू-कश्मीर में शाह का आरक्षण दांव

पहाड़ियों को मिलेगा कोटा, तीन परिवारों पर वार

राजौरी। होम मिनिस्टर अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी समुदाय के लोगों के लिए एसटी आरक्षण दिए जाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने जस्टिस शर्मा कमिशन की सिफारिशों पर काम किए जाने का आदेश दिया है और प्रक्रिया पूरी होते ही पहाड़ी समुदाय के लोगों को आरक्षण मिलने लगेगा। उन्होंने कहा कि गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ी समुदाय के लोगों को यह आरक्षण मिलना है। होम मिनिस्टर ने कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद यह संभव हुआ है। अमित शाह का आरक्षण से जुड़ा ऐलान अहम माना जा रहा है और आने वाले चुनावों में भाजपा को इसका लाभ मिल सकता है। रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि पहले जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों की ही सत्ता थी। वे कहते थे कि आर्टिकल 370 हटा तो खून की नदियां बह जाएंगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ है। आज यहां मोदी-मोदी के नारे लग रहे हैं। ये नारे ऐसी तमाम आशंकाओं को जवाब हैं। आर्टिकल 370 हटने के बाद से बीते तीन सालों में आतंकवाद की 721 घटनाएं हुई हैं। इससे पहले के तीन सालों में आतंकवादी हमलों की संख्या 4 हजार से ज्यादा थी। पीएम नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों के खिलाफ मुहिम चलाई थी, यह उसका परिणाम है। अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आप पहले आए दिन पथराव की खबरें पढ़ते थें, लेकिन अब मोदी जी ने अब युवाओं के हाथों से पत्थर लेकर लैपटॉप थमाने का काम किया है। उन्हें नौकरी दी है। यह बदलाव जम्मू-कश्मीर के लिए अहम है। राजौरी में आपने क्या कभी मेडिकल कॉलेज की कल्पना भी की थी? लेकिन मोदी जी ने इसकी व्यवस्था की। इससे युवा डॉक्टर बन सकेंगे और पहाड़ी समुदाय के लोगों को मुफ्त में इलाज की सुविधा भी हो सकेगी। अब यहां के लोगों को इलाज के लिए जम्मू नहीं जाना होगा। अमित शाह ने कहा कि राज्य के 27 लाख परिवारों को 5 लाख रुपये का हेल्थ बीमा सरकार की ओर से दिया गया है। परिसीमन आयोग की रिपोर्ट को लेकर अमित शाह ने कहा कि पहले तीन परिवारों के लिए परिसीमन सत्ता अपने पास रखने का उपाय था। अब जो परिसीमन हुआ है, उसमें सीटों का सही बंटवारा हुआ है। पहाड़ी इलाकों के लिए सीटों में इजाफा किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जम्मू में आईआईटी और आईआईएम संस्थानों की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में पर्यटन में भी तेजी से इजाफा हुआ है। इस साल अब तक 1.62 करोड़ लोग इस राज्य में घूमने आ चुके है। अमित शाह ने कहा कि तीन सालों में 56 हजार करोड़ का निवेश जम्मू और कश्मीर में हुआ है। इससे पहले 70 सालों में महज 15 हजार करोड़ा का ही इन्वेस्टमेंट हुआ था।

मुलायम सिंह यादव की हालत अब भी नाजुक, मेदांता में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम कर रही है इलाज

लखनऊ। तीन बार यूपी के मुख्यमंत्री रहे समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। गुरुग्राम स्थिति मेदांता हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती मुलायम सिंह यादव की सेहत के बारे में जानकारी साझा करते हुए मंगलवार को मेदांता हॉस्पिटल ने बताया कि विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक बड़ी टीम सपा संरक्षक का इलाज कर रही है। मुलायम सिंह की हालत में गिरावट के चलते सोमवार को उन्हें क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) में शिफ्ट किया गया था। इसके पहले समाजवादी पार्टी ने एक ट्वीट में कहा था कि नेताजी (मुलायम सिंह यादव) की हालत स्थिर है। उनके बेटे और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचे जहां उनके पिता भर्ती हैं। पीएम मोदी, यूपी के सीएम योगी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित देश के तमाम वरिष्ठ नेता सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की सेहत को लेकर चिंता जाहिर करते हुए इस बारे में जानकारी ली है।

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को बेल, पर अब भी नहीं छूटेगी जेल

मुम्बई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को बॉम्बे हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। कई महीनों से अनिल देशमुख मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद थे। उन्हें ईडी ने अरेस्ट किया था। उन्हें 1 लाख रुपये का मुचलका जमा कराने के बाद जमानत दी गई है। हालांकि बेल के बाद भी अनिल देशमुख जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे। इसकी वजह यह है कि उनके खिलाफ सीबीआई ने भी केस दर्ज किया है और उस मामले में उन्हें जमानत नहीं मिली है। ऐसे में वह अब भी जेल में ही बने रहेंगे। लेकिन इस केस में बेल के बाद उनकी जेल से बाहर आने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। अनिल देशमुख पर उगाही केस में ईडी ने ऐक्शन लिया था। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में अनिल देशमुख को बीते साल 2 नवंबर को अरेस्ट किया था। 73 वर्षीय एनसीपी नेता को बॉम्बे हाई कोर्ट की जस्टिस एनजे जमादार की बेंच ने 1 लाख रुपये का मुचलका भरने का आदेश दिया है। सबसे पहले सीबीआई ने अप्रैल, 2021 में अनिल देशमुख के खिलाफ केस दर्ज किया था। उसके आधार पर ही ईडी ने नई एफआईआर दाखिल की थी। फिर उन्हें अरेस्ट कर लिया गया था। मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह ने अनिल देशमुख पर आरोप लगाया था कि उन्होंने शहर के बार मालिकों से पुलिसकर्मियों के जरिए वसूली कराई है। इसमें बर्खास्त अधिकारी सचिन वाझे का नाम भी सामने आया था। सचिन वाझे के खिलाफ एनआईए की ओर से एंटीलिया के बाहर विस्फोटक रखने के मामले में जांच की जा रही है।

मध्यप्रदेश बनेगा राजनीतिक हलचल का केंद्र
राहुल की यात्रा से पहले मोदी-शाह के कई कार्यक्रम

भोपाल। आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों को देखते हुए मध्यप्रदेश में हलचल तेज हो चली है। एक तरफ जहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा नवंबर में मध्यप्रदेश में दाखिल होगी। वहीं दूसरी तरफ पीएम मोदी और अमित शाह अक्तूबर में प्रदेश का दौरा करेंगे। इसके अलावा जनवरी में केंद्र सरकार प्रदेश में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन और राज्य सरकार इनवेस्टर मीट के जरिए चुनावी माहौल तैयार करेगी। अपने जन्मदिन के मौके पर मध्यप्रदेश से देश को चीतों की सौगात देने आए पीएम मोदी अब 24 दिन बाद 11 अक्तूबर को उज्जैन के महाकाल कॉरिडोर का लोकार्पण करने आ रहे हैं। उज्जैन में प्रवास के दौरान पीएम नवनिर्मित महाकाल लोक के पहले चरण का लोकार्पण कर एक सभा को संबोधित करेंगे। केदारनाथ और काशी विश्वनाथ धाम के नवीनीकरण के बाद अब प्रमुख ज्योतिर्लिंग महाकाल परिसर को भव्य स्वरूप दिया गया है। पीएम के इस कार्यक्रम के बाद प्रवासी भारतीय सम्मेलन और केन-बेतवा लिंक परियोजना के भूमि पूजन कार्यक्रम में भी पीएम को मध्यप्रदेश में बुलाने की तैयारी की जा रही है। जबकि दूसरी तरफ सवा माह के अंतराल के बाद ही गृहमंत्री शाह का मध्यप्रदेश दौरा भी तय हो गया है। इसके पहले 21 अगस्त को केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने राजधानी भोपाल पहुंचकर चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने सत्ता और संगठन के दिग्गज नेताओं से प्रदेश को लेकर फीडबैक लिया था। इस बीच 16 अक्तूबर को एक बार फिर ग्वालियर आ रहे हैं। वे यहां कई कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा प्रदेश के संगठन के नेताओं से चर्चा भी करेंगे। चुनाव को देखते हुए भाजपा हाईकमान का पूरा फोकस चुनावी राज्यों पर है। इसके चलते संगठन के केंद्रीय पदाधिकारियों ने भी अपने प्रवास तेज कर दिए हैं। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश की रतलाम, उज्जैन और भोपाल की यात्राएं अभी चल रही हैं। जबकि इसके पहले क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल प्रदेश आदिवासी क्षेत्र झाबुआ, आलीराजपुर, खरगोन और बड़वानी क्षेत्र की एक यात्रा पूरी कर चुके हैं। जबकि प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव आए दिन हर संभाग के दौरे कर रहे हैं। इस दौरान वे कई सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं।

संपादकीय

बहुत संभव है कि कुछ औद्योगिक इकाइयां बड़े निवेश न कर पाने की स्थिति में संकटग्रस्त हो सकती हैं, जिसका असर रोजगार की स्थिति पर भी पड़ सकता है। पानीपत में कोयला आधारित उद्योगों के बॉयलर की चिमनियां ठंडी पड़ने के बाद बड़ी संख्या में श्रमिकों के सड़कों पर आने की आशंका उद्योगपति जता रहे हैं।

हरित ईंधन का वक्त

हर साल सर्दी की दस्तक के साथ देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भयावह प्रदूषण का संकट पैदा होता है। उसमें जहां मौसमी बदलाव, पर्वों के पटाखों का प्रदूषण व वाहनों आदि के प्रदूषण की भूमिका होती है, वहीं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले जहरीले धुएं की भी भूमिका होती है। इसीलिये समय-समय पर उद्योगों में हरित ईंधन के इस्तेमाल को जरूरी बनाने को कहा गया, जिसके अनुपालन न करने पर आर्थिक जुर्माने तथा सजा का प्रावधान किया गया है। इसमें दो राय नहीं कि दीर्घकालीन लाभ के लिये एनसीआर की औद्योगिक इकाइयों को स्वच्छ ईंधन को प्राथमिकता देनी होगी। निस्संदेह, इसके लिये बड़े निवेश की जरूरत होगी। बहुत संभव है कि कुछ औद्योगिक इकाइयां बड़े निवेश न कर पाने की स्थिति में संकटग्रस्त हो सकती हैं, जिसका असर रोजगार की स्थिति पर भी पड़ सकता है। पानीपत में कोयला आधारित उद्योगों के बॉयलर की चिमनियां ठंडी पड़ने के बाद बड़ी संख्या में श्रमिकों के सड़कों पर आने की आशंका उद्योगपति जता रहे हैं। हालांकि, निर्धारित तिथि तक अधिकांश उद्योगों ने वैकल्पिक ऊर्जा की व्यवस्था करने में असमर्थता जताई थी। दरअसल, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देश पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों को कोयले, डीजल आदि पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप पीएनजी जैसे हरित ईंधन आदि में बदलाव की समय सीमा तीस सितंबर को पूरी हो गई है। इसके बावजूद तमाम उद्योग लक्ष्य पूरा करने में विफल रहे हैं। निस्संदेह प्रदूषण संकट के समाधान के लिये हरित ईंधन का उपयोग अपरिहार्य है। लाखों लोगों के स्वास्थ्य से किसी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि कोयले से चलने वाले बॉयलरों व बर्नर द्वारा छोड़े जाने वाले जहरीले अपशिष्टों का लोगों के स्वास्थ्य पर खासा प्रतिकूल असर पड़ता है। उल्लेखनीय है कि फरीदाबाद में चौबीस हजार, गुरुग्राम में पंद्रह हजार तथा पानीपत में पच्चीस हजार औद्योगिक इकाइयां काम कर रही हैं। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के संकट से जूझ रही है और प्रदूषित हवा हर साल लाखों लोगों के जीवन पर भारी है, औद्योगिक कार्बन में कटौती के प्रयासों को युद्धस्तर पर चलाने की जरूरत है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने के लिये अदालतों की सक्रियता व ग्रीन ट्रिब्यूनल के प्रयासों से कई महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। विभिन्न सरकारी निकाय कई वर्षों से साफ हवा सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करने का प्रयास करते रहे हैं। हालांकि, तमाम औद्योगिक इकाइयां स्वच्छ प्रौद्योगिकी में भारी निवेश को लेकर अपनी असमर्थता जताती रही हैं। वे कई तरह की दलीलें देकर बदलाव की समय सीमा को बढ़ाने का प्रयास करते रहे हैं। वहीं अक्षय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने में देरी के मामले अदालतों और हरित न्यायाधिकरण तक पहुंचते रहे हैं। कहा जाता रहा है कि अमीर उद्योगपति इसके लिये तंत्र पर दबाव बनाते रहे हैं। अब देखना होगा कि एक बार आदेशों के अनुपालन की समय सीमा खत्म होने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के आदेश पर डिफॉल्टरों के विरुद्ध क्या कार्रवाई होती है। यहां यह ध्यान रखना जरूरी है कि स्वच्छ हवा के मुद्दे पर तो कोई समझौता नहीं किया जा सकता है, लेकिन बड़े पैमाने पर रोजगार संकट भी पैदा नहीं होना चाहिए। दरअसल, फरीदाबाद और गुरुग्राम उद्योग संगठनों ने दलील दी है कि स्वच्छ ईंधन में बदलाव के लिये आवश्यक बीस हजार करोड़ की लागत वहन करने में वे असमर्थ हैं। इसके बावजूद मामले में हमें दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। हमारे सामने ब्रिटेन का उदाहरण आंख खोलने वाला होना चाहिए।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

नौकर ने घबराए हुए लहजे से मालकिन से कहा, 'मालकिन गजब हो गया। अभी-अभी एक आदमी ने मालिक को एक कागज और एक पैकेट ला कर दिया। उसे देखते ही मालिक बेहोश हो गए और अभी तक होश में नहीं आए।'

मालकिन (खुश होकर), 'अच्छा, मालूम होता है जौहरी वह हार बनाकर दे गया है जिसका आर्डर मैंने पिछले हफ्ते दिया था।'

□ □ □

अमित, 'सुमित अपने बर्थडे पर तुम्हें कौन-सा गिफ्ट सबसे ज्यादा पसंद आया?'

सुमित, 'बाजा।'

अमित, 'क्यों?'

सुमित, 'क्योंकि उसे न बजाने के लिए पापा मुझे रोज पांच रूपये देते हैं।'

□ □ □

हाथी और चीटी के बच्चे में दोस्ती हो गई। दोनों खेल रहे थे कि हाथी का बच्चा परेशान हो गया।

चींटी के बच्चे ने पूछा, 'क्या बात है तुम बड़े परेशान दिखाई देते हो?'

हाथी का बच्चा बोला, ' मेरे पापा आ गए है।

चींटी का बच्चा बोला, 'तो इसमें परेशान होने की क्या बात है तुम मेरे पीछे छुप जाओ।'

□ □ □

शक्ति-पूजा का पर्व है दशहरा

लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भांति यहां भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियां और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर ढोल, नगाड़े, बांसुरी आदि वाद्य यंत्रो को लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं।

दशहरा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसीलिये इस दशमी को विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं। इस दिन शस्त्र-पूजा की जाती है। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का समापन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। दशहरा शब्द हिंदी के दो शब्दों दस और हारा से मिलकर बना है। जहां दस गणित के अंक दस (10) और हारा शब्द पराजित का सूचक है। इसलिए यदि इन दो शब्दों को जोड़ दिया जाए तो दशहरा बनता है। जो उस दिन का प्रतीक है जब दस सिर वाले दुष्ट रावण का भगवान राम ने वध किया था। दशहरा अथवा विजयदशमी पर्व को भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में। दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है। शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक व शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में फसल उगाकर अनाज घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। इस प्रसन्नता के लिये वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए उनका पूजन करता है। भारतवर्ष में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भांति यहां भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियां और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर ढोल, नगाड़े, बांसुरी आदि वाद्य यंत्रो को लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है। कर्नाटक में मैसूर का दशहरा भी पूरे भारत में प्रसिद्ध है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभायात्रा का आनंद लेते हैं। इन द्रविड़ प्रदेशों में रावण-दहन का आयोजन नहीं किया जाता है। महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं, जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ

माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं। महाराष्ट्र में इस अवसर पर सिलंगण के नाम से सामाजिक महोत्सव के रूप में भी इसको मनाया जाता है। सायंकाल के समय पर सभी ग्रामीणजन सुंदर-सुंदर नव वस्त्रों से सुसज्जित होकर गांव की सीमा पार कर शमी वृक्ष के पत्तों के रूप में स्वर्ण लूटकर अपने ग्राम में वापस आते हैं। फिर उस स्वर्ण का परस्पर आदान-प्रदान किया जाता है। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। इस दौरान यहां आगंतुकों का स्वागत पारम्परिक मिठाई और उपहारों से किया जाता है। यहां भी रावण-दहन के आयोजन होते हैं, व मैदानों में मेले लगते हैं। बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकर, लोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैं, जो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहां दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। प्रथम दिन जिसे काछिन गादि कहते हैं, देवी से समारोह आरम्भ की अनुमति ली जाती है। देवी एक कांटों की सेज पर विरजमान होती हैं, जिसे काछिन गादि कहते हैं। यह कन्या एक अनुसूचित जाति की होती है। जिससे बस्तर के राजपरिवार के व्यक्ति अनुमति लेते हैं। यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसके बाद जोगी-बिठाई होती है। इसके बाद भीतर रैनी (विजयदशमी) और बाहर रैनी (रथ-यात्रा) और अंत में मुरिया दरबार होता है। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है। बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों, ओडिया, और आसमिया लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। बंगाल में दशहरा पूरे पांच दिनों के लिए मनाया जाता है। ओडिशा और असम मे 4 दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों में विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। इसके साथ अन्य देवी द्वेवताओं की भी कई मूर्तियां बनाई जाती हैं। यहां षष्ठी के दिन दुर्गा देवी का बोधन, आमंत्रण एवं प्राण प्रतिष्ठा आदि का आयोजन किया जाता है। उसके उपरान्त सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के दिन प्रातरू और सायंकाल दुर्गा की पूजा में व्यतीत होते हैं। अष्टमी के दिन महापूजा की जाति है। दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रसाद चढ़ाया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है। पुरुष आपस में आलिंगन करते हैं, जिसे कोलाकुली कहते हैं। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं व देवी को अश्रुपूरित विदाई देती हैं। इसके साथ ही वे आपस में भी सिंदूर लगाती हैं व सिंदूर से खेलते हैं। इस दिन यहां नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है। अन्त में देवी प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाया जाता है। विसर्जन की यह यात्रा भी बड़ी शोभनीय और दर्शनीय होती है। गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। इस अवसर पर भक्ति, फिल्म तथा पारम्परिक लोक-संगीत सभी का समायोजन होता है। पूजा और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात होता रहता है। नवरात्रि में सोने और गहनों की खरीद को शुभ माना जाता है। कश्मीर के अल्पसंख्यक हिन्दू नवरात्रि के पर्व को श्रद्धा से मनाते हैं। परिवार के सारे वयस्क सदस्य नौ दिनों तक उपवास करते हैं। अत्यंत पुरानी परम्परा के अनुसार नौ दिनों तक लोग माता खीर भवानी के दर्शन करने के लिए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं। तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में दशहरा नौ दिनों तक चलता है जिसमें तीन देवियां लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा करते हैं। पहले तीन दिन धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन होता है। अगले तीन दिन कला और विद्या की देवी सरस्वती की अर्चना की जाती है और अंतिम दिन देवी शक्ति की देवी दुर्गा की स्तुति की जाती है। पूजन स्थल को अच्छी तरह फूलों और दीपकों से सजाया जाता है। लोग एक दूसरे को मिठाइयां व कपड़े देते हैं। यहां दशहरा बच्चों के लिए शिक्षा या कला संबंधी नया कार्य सीखने के लिए शुभ समय होता है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व दशहरा

(दशहरा पर विशेष/लेखक- योगेश कुमार गोयल)

दशहरा समस्त भारत में भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात् बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है। मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात् दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात् आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है, जो राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और सत्यमेव जयते का मंत्र देता है। पश्चिम बंगाल तथा मध्य भारत के अलावा यह त्यौहार अन्य राज्यों में भी क्षेत्रीय विषमता के बावजूद पूर्ण उमंग, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। देशभर में जगह-जगह पर दशहरे के दिन रावण, कुम्भकर्ण, मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाता है, जिसका उद्देश्य एक ही है कि हम अपने जीवन में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के महान् आदर्शों को आत्मसात करते हुए अपनी सभी दसों इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जितेन्द्रिय बनने का प्रयास करें। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुर्गुणों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है।

दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से भी जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दसों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दसों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को 'विजयादशमी' कहा जाता है। दशहरा को आसुरी शक्तियों पर नारी शक्ति की विजय का त्यौहार माना जाता है। आदि शक्ति दुर्गा को 'शक्ति' का रूप मानकर शारीरिक एवं मानसिक शक्ति प्राप्त करने के लिए नौ दिनों तक देवी के नौ अलग-अलग रूपों की व्रत, अनुष्ठान करके पूजा की जाती है। जगह-जगह मां दुर्गा की विशाल प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं और माता के जागरण भी किए जाते हैं। माना जाता है कि दुर्गा पूजा से सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य, धन-सम्पदा, आरोग्य, संतान सुख एवं आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है। अंतिम नवरात्र पर कुंवारी कन्याओं को भोजन कराकर नवरात्रों का समापन किया जाता है। नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है, जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें, उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं, शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें।

शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। दशहरे और शक्ति पूजा के आपसी संबंध के बारे में कहा जाता है कि जिन दिनों में राम ने शक्ति की उपासना की थी, उसी समय रावण और मेघनाद ने भी शक्ति उपासना की थी। आदि शक्ति ने दोनों पक्षों की पूजा-उपासना से प्रसन्न होकर उन्हें वरदान दिए लेकिन विजय राम की ही हुई क्योंकि उनके साथ धर्म, मानवता, सत्य, निष्ठा, पुण्य इत्यादि गुण थे जबकि रावण भले ही बहुत बड़ा विद्वान था लेकिन उस समय उसके पास घमंड, वासना, क्रोध इत्यादि तमाम बुराईयां ही बुराईयां थी। दशहरे के दिन रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद के काम, क्रोध, मद, लोभ व वासना रूपी पुतलों का दहन कर लोग अपने आगामी वर्ष की सफलता की कामना करते हैं। वास्तव में इस पर्व की सार्थकता तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब हम इस अवसर पर आत्मचिंतन करते हुए अपने भीतर की बुराईयों रूपी रावण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए उनका विनाश करने का प्रयास करें।

(लेखक 32 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

चिंतन-मनन

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदशर्न किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आसन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदशर्क है। अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूंढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

सरकार ने मोबाइल के 25 हजार मोबाइल टॉवर लगाने के लिए स्वीकृत किए 26,000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने मोबाइलों के नेटवर्क क्षमता विस्तार के लिए अगले 500 दिनों में पच्चीस हजार मोबाइल टॉवर लगाने के लिए 26,000 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। दूरसंचार मंत्रालय की तरफ से मंगलवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस परियोजना के लिए वित्तीय समर्थन 'सार्वभौम सेवा दायित्व कोष' से किया जाएगा और भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क इसका क्रियान्वयन करेगा। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को संपन्न 'राज्यों के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रियों के डिजिटल इंडिया सम्मेलन' में इस परियोजना की घोषणा की। आधिकारिक बयान के मुताबिक, 'दूरसंचार मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल इंडिया के लिए संपर्क सुविधा अहम है और देश के हरेक कोने तक इसकी पहुंच होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगले 500 दिनों में 25,000 नए मोबाइल टॉवर लगाने के लिए 26,000 करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी दे दी गई है।' इस सम्मेलन में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर, दूरसंचार राज्य मंत्री देवूसिंह चौहान और 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रियों ने भी शिरकत की।

वैश्विक मंदी इफेक्ट- वजीरएक्स ने 40 प्रतिशत कर्मियों को दिखाया बाहर का रास्ता, 45 दिन का देगी वेतन

नई दिल्ली । वैश्विक मंदी के असर से भारतीय क्रिप्टो एक्सचेंज वजीरएक्स भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सका। पिछले हफ्ते कंपनी ने अपने 40 फीसदी कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इसमें कंपनी के कम्यूनिकेशन, मार्केटिंग और पॉलिसी से जुड़े लोग शामिल हैं। वजीरएक्स ने करीब 50-70 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। शुक्रवार को कंपनी की ओर से कर्मचारियों से कहा गया था कि उन्हें 45 दिनों की सैलरी दी जाएगी, लेकिन आगे वो वजीरएक्स के साथ काम नहीं कर सकेंगे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कर्मचारियों से एक्सेस वापस ले लिए गए हैं। शनिवार को एक बयान में वजीरएक्स ने कहा कि वैश्विक आर्थिक मंदी के कारण क्रिप्टो बाजार गिरावट की चपेट में है। इसके अतिरिक्त, भारतीय क्रिप्टो इंडस्ट्री की टैक्स, एक्सचेंज और बैंकिंग से जुड़ी अपनी कई समस्याएं हैं। इसकी वजह से एक्सचेंजों में गिरावट आई है। वजीरएक्स ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि हम आर्थिक रूप से स्टेबल रहकर ग्राहकों को सर्विस प्रदान करें। इसके लिए हमने अपने स्टाफ की संख्या में कटौती की है। साथ ही वजीरएक्स की ओर से कहा गया कि ये स्थिति ठीक वैसी ही है, जैसी स्थिति का सामना इस इंडस्ट्री ने 2018 में किया था।

मजदूरी की दरों में वृद्धि से चाय उत्पादन कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ा

मुंबई । वैश्विक आपूर्ति में अड़चनों के बीच चाय की कीमतों में वृद्धि से पश्चिम बंगाल और असम में बढ़ी हुई मजदूरी दरों के प्रभाव की भरपाई होने का अनुमान है। एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर भारत, असम और पश्चिम बंगाल में मजदूरी में वृद्धि की चाय उत्पादन पर होने वाली प्राप्तियों से भरपाई होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में पाया गया कि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान मजदूरी की दरों में वृद्धि का चाय उत्पादन कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ा है। मजदूरी की दरों के प्रभाव के बावजूद उत्पादकों के वित्तीय प्रदर्शन में सालाना आधार पर चालू वित्त वर्ष में सुधार की संभावना है।'' वैश्विक स्तर पर ओडीएक्स चाय के सबसे बड़े निर्यातक श्रीलंका में मौजूदा आर्थिक संकट के कारण उत्पादन में कई दिक्कतें आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीलंका में उत्पादन में कमी कुछ और समय तक जारी रहने की संभावना है, इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में आपूर्ति तंग रहेगी और भारतीय ओडीएक्स चाय की कीमतों को समर्थन मिलेगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही घरेलू शेयर बाजारों में अच्छी खरीददारी से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,311.13 अंक तक पहुंचने के बाद 1,276.66 अंक करीब 2.25 फीसदी ऊपर आकर 58,065.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी 386.95 अंक तकरीबन 2.29 फीसदी उछलकर 17,274.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में से इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, विप्रो, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में बढ़त रही जबकि पावरग्रिड, सन फार्मा और डॉ. रेड्डीज के शेयर गिरे हैं। इससे पहले सेंसेक्स गत दिवसा गिरवट के साथ बंद हुआ था। वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की भी हरे निशान पर बंद हुआ। इसके अलावा अमेरिकी और यूरोपीय बाजार में भी बढ़त रही है। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.78 फीसदी बढ़कर 89.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। खरीददारी हावी होने से बाजार उछला है। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एसबीआई, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, टीसीएस, टाटा स्टील और बजाज फिनसर्व के शेयर ऊपर आये हैं जबकि दूसरी ओर पावरग्रिड के शेयर गिरे हैं। आज के कारोबार में हाई डिलीवरी पर्सेंटेज स्टॉक में एबोट इंडिया, आईसीआईसीआई लोंबार्ट जनरल इंश्यूरेंस, एचडीएफसी, हिंदुस्तान यूनीलीवर और एचडीएफसी एमसी जैसी कंपनियां के शेयरों को नुकसान हुआ। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट के साथ ही बंद हुआ था। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रही।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया मजबूत हुआ है। रुपये में ये तेजी निवेशकों की भारी खरीददारी और डॉलर सूचकांक में गिरावट से आई है। इससे रुपया 29 पैसे उछलकर 81.53 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विश्व बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त से रुपये में ये मजबूती आई है। इसके अलावा अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.66 प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान 81.36 तक पहुंचने के बाद 81.66 के निचले स्तर तक फिसल गया। वहीं अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 29 पैसे की बढ़त के साथ ही 81.53 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 81.82 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। जानकारों के अनुसार अमेरिका के विनिर्माण आंकड़ों के अनुमान से नीचे रहने के चलते डॉलर भी अपने उच्चस्तर से फिसल गया है। ऐसे में डॉलर के मुकाबले रुपया 81.20 से 82.05 के दायरे में कारोबार करता रहेगा।

रिलायंस की सहायक आरएसबीवीएल का अमेरिकी सैनमिना के साथ संयुक्त उद्यम डील संपन्न

नई दिल्ली । देश की शीर्ष मूल्यवान कंपनियों में शामिल रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी आरएसबीवीएल और अमेरिकी फर्म सैनमिना कॉरपोरेशन ने करीब 3,300 करोड़ रुपये के मूल्यांकन वाला एक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण संयुक्त उद्यम स्थापित करने का सौदा पूरा कर लिया है। दोनों कंपनियों की तरफ से मंगलवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, रिलायंस स्ट्रैटजिक बिजनेस वेंचर्स लिमिटेड (आरएसबीवीएल) के पास इस उद्यम की 50.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी जबकि सैनमिना के पास 49.9 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। आरएसबीवीएल सैनमिना की मौजूदा भारतीय इकाई में 1,670 करोड़ रुपये का निवेश कर यह हिस्सेदारी हासिल करेगी। इस निवेश के बाद सैनमिना की भारतीय इकाई संयुक्त उद्यम में परिवर्तित हो जाएगी और उसमें 20 करोड़ डॉलर से अधिक पूंजी लगाई जाएगी। वित्त वर्ष 2021–22 में आरएसबीवीएल का राजस्व 1,478 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 179.8 करोड़ रुपये रहा था। मार्च 2022 के अंत में इसका कुल निवेश 10,857.7 करोड़ रुपये था। दोनों कंपनियों की भागीदारी से बनने वाले संयुक्त उद्यम में रोजमर्रा के कामकाज का प्रबंधन सैनमिना की चेन्नई स्थित प्रबंधन टीम ही करेगी। बयान में कहा गया कि यह उद्यम भारत में एक विश्व–स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण केंद्र स्थापित करेगा। यह उद्यम उच्च प्रौद्योगिकी के ढांचागत हार्डवेयर और संचार नेटवर्किंग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य प्रणाली और रक्षा एवं वैमानिकी क्षेत्र पर खास जोर देगा।

ट्विटर ने दिया मस्क को झटका, छह माह में 30 फीसदी से ज्यादा गिरा टेस्ला का शेयर

नई दिल्ली।

दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में सोमवार को आठ फीसदी से अधिक गिरावट दर्ज की गई। इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली यह कंपनी 2018 में पहली बार लाभ में आई थी और तबसे इस साल अप्रैल तक इसके शेयरों में 1900 फीसदी तेजी दर्ज की गई है। छह महीने पहले कंपनी के शेयर रेकॉर्ड हाई पर पहुंच गए थे। तब कंपनी का मार्केट कैप 1.1 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गया जो आधा दर्जन से अधिक टॉप ऑटो कंपनियों के कंबाइंड मार्केट कैप से अधिक था।

पिछले छह महीने में कंपनी के शेयरों में 30 फीसदी से अधिक गिरावट दर्ज की गई है। इससे कंपनी के सीईओ मस्क की नेटवर्थ में भी काफी गिरावट आई है। लंबे समय से आलोचकों का कहना है कि टेस्ला के शेयरों की कीमत उसकी असल वैल्यू से कहीं ज्यादा है। मस्क ने जब अप्रैल में सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर को खरीदने की घोषणा की थी। उसके बाद से टेस्ला के शेयरों में लगातार गिरावट आ रही है। निवेशकों का कहना है कि मस्क का फोकस टेस्ला से हट गया है। साथ ही टेस्ला को सप्लाई चेन की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

चीन में लॉकडाउन से भी कंपनी की मुश्किलें बढ़ी हैं। इससे तीसरी तिमाही में कंपनी की बिक्री बाजार की उम्मीदों के मुताबिक नहीं रही। पिछले साल नवंबर में उनकी नेटवर्थ 300 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गई थी और यह मुकाम हासिल करने वाले वह दुनिया के पहले शख्स थे। लेकिन एक अप्रैल से पिछले शुक्रवार तक कंपनी के शेयरों में 27 फीसदी गिरावट आ चुकी थी। सोमवार को भी इसमें आठ फीसदी से अधिक गिरावट आई। इससे मस्क की नेटवर्थ में भी 15.5 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 223 अरब डॉलर रह गई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 47.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है। जानकारों का कहना है कि निवेशकों का मस्क से मोह भंग हो चुका है। हालांकि टेस्ला के फैंस का कहना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग आगे बढ़ने वाली है और इस वजह से कंपनी अच्छी पोजीशन में है। टेक एनालिस्ट डेनियल ईव्ज ने कहा कि तीसरी तिमाही में कंपनी के प्रदर्शन से निवेशकों को निराशा होगी। आगे भी कंपनी की मुश्किलें कम होने वाली नहीं है। पिछले शुक्रवार को कंपनी ने अपने लेटेस्ट रोबोट्स का प्रदर्शन किया था। तब मस्क ने वादा किया था कि रोबोट बिजनस कंपनी की सेल और प्रॉफिटैबिलिटी को बदलकर रख देगा। लेकिन ईव्ज ने कहा कि निवेशकों में यह धारणा है कि मस्क का फोकस सही नहीं है। मस्क ने टेक्सास और जर्मनी में शुरू हुए प्लांट्स को लेकर भी बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन उनमें उत्पादन बढ़ाने में कंपनी को संघर्ष करना पड़ रहा है। कंपनी ने तीसरी तिमाही में 343,000 कारें डिलीवर की जो उम्मीद से काफी कम हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि केवल टेस्ला के शेयरों में ही गिरावट आई है। पिछले छह महीने में कई टेक कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई है। दुनियाभर में सेंट्रल बैंक्स ने महंगाई को रोकने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है जिससे बाजार में गिरावट आई है। साथ ही मंदी की आशंका भी बढ़ गई है। एपल के शेयरों में दूसरी और तीसरी तिमाही में 21 फीसदी से अधिक गिरावट आई है। इसी तरह गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट में 31 फीसदी, फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा में 39 फीसदी और ऐमजॉन के शेयरों में 31 फीसदी गिरावट आई है।

वैश्विक धमकी को नजरअंदाज कर रूस से जमकर तेल खरीद रहा है भारत

नई दिल्ली ।

रूस-यूक्रेन जंग के चलते रूस को पश्चिमी देश तेल पाबंदियों की मदद से घेरने की कवायद कर रहे हैं। पश्चिमी देश लगातार रूस से कारोबार नहीं करने का दबाव भी बना रहे हैं। लेकिन दुनिया की धमकी से बेअसर भारत रूस से जमकर तेल खरीद रहा है। भारत रूस से लगातार तेल की खरीद बढ़ा रहा है। बीते दिनों पश्चिम देशों ने कहा था कि भारत और चीन की वजह से ही रूस पर इन प्रतिबंधों का असर नहीं पड़ा है। अमेरिका भारत पर दबाव बनाता रहा है कि वो रूस से तेल की खरीद रोके। लेकिन भारत ने साफ कर दिया था कि उसके लिए भारत के नागरिकों के हित सबसे पहले हैं।

ऊर्जा कार्गो ट्रैकर वोर्टेक्स के मुताबिक, भारत में सितंबर माह में रूसी तेल का आयात अगस्त से दो महीने तक गिरने के बाद 18.5 फीसदी तक बढ़ गया है। इसके चलते यह सऊदी अरब के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बन गया है। आंकड़े बताते हैं कि सितंबर में 879,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी तेल का आयात जून के 933,000 बीपीडी के बाद भारत के लिए एक महीने में दूसरा सबसे अधिक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत इस तिमाही में और ज्यादा रूसी क्रूड आयात करने पर विचार कर सकता है, क्योंकि घरेलू मांग में मौसमी वृद्धि और यूरोप से उच्च निर्यात मांग को पूरा करने के लिए रिफाइनर तेजी से बढ़ते हैं। यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से पहले रूसी तेल में भारत के आयात का लगभग 1 फीसदी शामिल था क्योंकि माल ढुलाई ने इसे अप्रतिस्पर्धी बना दिया था, लेकिन अब यह 21 फीसदी तक चढ़ गया है। रूसी क्रूड के लिए भारतीय रिफाइनर का आकर्षण यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद बढ़ गया। इसकी वजह है कि व्यापारियों ने ज्यादा छूट की पेशकश की, जो कि डिलीवरी के आधार पर लगभग 5-6 डॉलर प्रति बैरल हो गई है।

बढ़ते रूसी आयात का मतलब अमेरिका, इराक और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अन्य प्रमुख निर्यातकों के लिए बाजार हिस्सेदारी का नुकसान है। रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में, सऊदी अरब भारत के लिए शीर्ष आपूर्तिकर्ता था जबकि इराक और संयुक्त अरब अमीरात क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर थे। पांचवें सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता अमेरिका के पास अब भारतीय बाजार का लगभग 4 फीसदी हिस्सा है, जो एक साल पहले के 10 फीसदी से कम है। भारत ने रूसी उत्पादों की खरीद में भी वृद्धि की है, ईंधन तेल आयात सितंबर में प्रति दिन 100,000 बैरल के करीब पहुंच गया है, जो 2022 की पहली तिमाही में लगभग 60,000 बीपीडी के औसत से ऊपर है।

ऑस्ट्रेलियाई केंद्रीय बैंक ने छठी बार ब्याज दर में किया इजाफा

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को अपनी मानक ब्याज दर में छठे महीने भी इजाफा कर चौंका दिया। यह नौ महीनों के उच्च स्तर 2.6 प्रतिशत पर पहुंच गई। 'रिजर्व बैंक ऑफ आस्ट्रेलिया' ने नकदी दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की जो विश्लेषकों की उम्मीदों से कम है। विश्लेषकों ने 0.50 प्रतिशत वृद्धि की संभावना जताई थी। दरअसल ऑस्ट्रेलियाई केंद्रीय बैंक पिछले चार बार से ब्याज दर में 0.5-0.5 प्रतिशत की वृद्धि करता रहा है। उसके पहले मई में केंद्रीय बैंक ने 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की थी जो अगस्त 2013 के बाद की पहली बढ़ोतरी थी। केंद्रीय बैंक के गवर्नर फिलिप लोव ने कहा कि इस बार ब्याज दर में कम वृद्धि करने का यह मतलब है कि नकदी दर सीमित अवधि में खासी बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि आगामी वृद्धि का फैसला मुद्रास्फीति एवं श्रम बाजार के परिदृश्य के आकलन पर निर्भर करेगा। ऑस्ट्रेलिया में मुद्रास्फीति इस समय 6.1 प्रतिशत है और दिसंबर तिमाही में इसके 7.75 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच जाने की संभावना है। वहीं केंद्रीय बैंक इसे दो-तीन प्रतिशत के दायरे में लाने के लिए प्रयासरत है। ऑस्ट्रेलिया के लिए राहत की बात यह है कि बेरोजगारी दर 50 साल के निम्न स्तर 3.5 प्रतिशत पर है। वित्त मंत्री जिम चामर्स 25 अक्टूबर को सरकारी खर्च से संबंधित ए अपना आर्थिक ब्लूप्रिंट पेश करेंगे। चामर्स ने कहा कि वह मुद्रास्फीति और खराब होते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी आर्थिक योजना का खाका तैयार करेंगे।

मुद्रस्फीति बढ़ने का कारण टमाटर, पिछले एक साल में 35 फीसदी उछाल आया

नई दिल्ली ।

मौद्रिक नीति की घोषणा करते समय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी मुद्रस्फीति बढ़ने के कारणों में से एक कारण टमाटर को भी बताया था। महंगाई की पिच पर पिछले एक साल से टमाटर सूर्य कुमार यादव की तरह ताबड़तोड़ बैटिंग कर रहा है। उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए ताजा आंकड़ों के मुताबिक 3 अक्टूबर 2021 की तुलना में 3 अक्टूबर 2022 को टमाटर के औसत भाव में 35.34 फीसद का उछाल आया है। एक साल पहले 3 अक्टूबर को टमाटर का औसत भाव 32.60 रुपये किलो था। तीन अक्टूबर 2022 को यह खुदरा बाजारों में 44.12 रुपये प्रति किलो के औसत से बिक रहा था। इस अवधि में आलू की भी बैंटिंग शानदार रही। एक साल में आलू के भाव 39.84 फीसद उछला है। एक साल में यह 20.23 रुपये से 28.29 रुपये पर पहुंच चुका है। कई लोगों को रुलाने और सरकारें गिराने वाले प्याज का फार्म खराब चल रहा है। एक साल में यह 11.78 फीसद गिरकर 29.36 रुपये प्रति किलो के औसत भाव से 25.90 पर आ गया है। किचन का बजट बिगाड़ने वाले खाद्य तेलों ने नरमी दिखाई, तब आलू-टमाटर के बाद गेहूं ने अपने तेवर दिखा दिए। रूस-उक्रेन युद्ध के कारण गेहूं के दाम बेहताशा बढ़े हैं। खुदरा बाजारों में एक साल पहले गेहूं के आटे का औसत भाव 26.71 रुपये किलो था। तीन अक्टूबर 2022 को यह 16.51 फीसद उछल कर 31.12 रुपये पर पहुंच गया। गेहूं 21.60 फीसद महंगा होकर 30 से 36.48 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया है।

महंगाई की पिच पर दूध, दाल और चीनी भी चमके हैं। एक साल में दूध की कीमत 10.71 फीसद चढ़कर 49.10 रुपये से 54.36 रुपये पर पहुंच गई है। इस दौरान तुअर दाल 6.59 फीसद चढ़कर 112 रुपये प्रति किलो और उड़द दाल 3.14 फीसद महंगा होकर 109.31 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। चना दाल इस दौरान 1.87 फीसद सस्ता हुआ है। मंग, मसूर के तेवर भी तीखे हो चुके हैं। मंग दाल 103.45 और मसूर दाल 96.45 रुपये पर पहुंच चुका है। वहीं, चीनी भी 1.02 फीसद चढ़कर 42.61 रुपये किलो पर पहुच चुका है।

एक साल में खाद्य तेलों के दाम काफी हद तक काबू में आ चुके हैं। मोदी सरकार की सजाई फिल्डिंग के आगे सरसों तेल का प्रदर्शन फीका हो चुका है। एक साल में यह 10.76 फीसद सस्ता होकर 188.35 रुपये से 168.08 रुपये पर आ चुका है।

पिछले एक साल के दौरान गेंहू, आटा और चावल समेत अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि

नई दिल्ली ।

पिछले एक साल के दौरान गेहूं, आटा और चावल समेत रसोई के आवश्यक सामानों की औसत खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

त्योहारी सीजन के आगमन के साथ बढ़ती कीमतें आगे भी जारी रह सकती है। गेहूं की कीमतों में कुछ महीनों में कीमतों में काफी तेजी आई है। दिल्ली के थोक बाजारों के व्यापारियों के अनुसार, धीमी आपूर्ति और ज्यादा मांग के कारण गेहूं की कीमतों में रिकॉर्ड 2,560 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी देखी गई है। गर्मी की लहर के कारण इस साल गेहूं का उत्पादन कम हुआ, जिससे कृषि उपज की घरेलू आपूर्ति प्रभावित हुई। दिल्ली की लॉरेंस रोड मंडी के जय प्रकाश जिंदल ने कहा कि कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा, मौजूदा समय में गेहूं की कीमत 2560 रुपए प्रति क्विंटल है। इस त्योहारी सीजन में आने वाले दिनों में इसके और बढ़कर 2,600 रुपए तक जाने की संभावना है। इस साल 14 मई को गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बाद से मंडी की कीमतें लगभग 2,150-2,175 रुपए प्रति क्विंटल पर चल रही थीं। जिंदल ने कहा कि इस साल उत्पादन कम रहा और सरकार ने सही समय पर निर्यात बंद नहीं किया।

उन्होंने कहा जब सरकार ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया, तब तक बहुत सारा गेहूं निर्यात हो चुका था। सरकारी आंकड़ों ने भी गेहूं, आटा और चावल की औसत खुदरा कीमतों में समान रुझान दिखाया।

उपभोक्ता मामले विभाग के आंकड़ों के मुताबिक आटे का औसत खुदरा भाव 36.13 रुपये प्रति किलो है। इसी तरह शुक्रवार को चावल का औसत खुदरा मूल्य 38.2 रुपये प्रति किलो था और शुक्रवार को गेहूं का औसत खुदरा मूल्य 31 रुपये था।

कारोबारियों ने कहा कि जहां गेहूं की कीमतों में करीब 14-15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है वहीं आटे की कीमतों में करीब 18-19 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह, दिल्ली के खुदरा बाजारों में खुदरा कीमतों में भी लगभग 7-8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पेयू के मालिकाना हक वाली प्रॉसस ने भारतीय पेमेंट कंपनी बिलडेस्क के साथ तोड़ी डील

नई दिल्ली ।

पेयू के मालिकाना हक वाली कंपनी प्रॉसस ने भारतीय पेमेंट कंपनी बिलडेस्क के साथ अपनी डील को तोड़ते हुए कहा है कि कुछ ऐसी शर्तें थीं, जिन्हें पूरा नहीं किया जा सका। यह डील 4.7 बिलियन डॉलर की थी। प्रॉसस ने अपने बयान में कहा इस अधिग्रहण सौदे में होने वाला लेनदेन विभिन्न शर्तों के पालन पर निर्भर करता था, जिसमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी भी शामिल थी। पेयू ने 5 सितंबर, 2022 को सीसीआई की मंजूरी हासिल की, परतु, कुछ शर्तें 30 सितंबर 2022 तक पूरी नहीं हुई थीं। लंबी स्टॉप डेट और समझौता इसकी शर्तों के अनुसार ऑटोमेटिकली समाप्त हो गया है। 31 अगस्त 2021 को, प्रासस ने घोषणा की थी कि उसकी सहायक कंपनी पेयू पेमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड और भारतीय डिजिटल पेमेंट्स प्रोवाइडर बिलडेस्क के शेयरधारकों के बीच एक समझौता हुआ है। इस सौदे को सितंबर में सीसीआई की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन इसे अभी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी मिलना बाकी है। इस प्रक्रिया में कम से कम 45 दिन लगने थे।

2005 से लेकर अब तक प्रॉसस भारत में लगातार निवेश और काम कर रही है। कंपनी ने इस दौरान भारतीय टेक्नोलॉजी कंपनियों में 6 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। कंपनी ने कहा है कि वह भारतीय बाजार पर अपना ध्यान केंद्रित रखेगी और इस क्षेत्र में अपने वर्तमान बिजनेस को बढ़ाने के लिए काम करती रहेगी। कंपनी ने ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म मीशो, बायजूस, डीहाट, मेन्सा ब्रांड्स एंड गुड ग्लैम ग्रुप में निवेश किया हुआ है। यह अधिग्रहण यदि पूरा होता हो डिजिटल पेमेंट (बी2बी) सेग्मेंट में पेयू सबसे बड़ा प्लेयर बन जाता।

इससे एक बड़ी डिजिटल भुगतान कंपनी का गठन होता, जिसका कुल वार्षिक भुगतान मूल्य (टीपीवी) 147 अरब डॉलर से अधिक का होता। इसके मुकाबले में भारतीय बाजार में रेजरपे और सीसीएवेन्यू ही होते, जिनका टीपीवी क्रमशः 50 अरब डॉलर और 20 अरब डॉलर है। इस अधिग्रहण की घोषणा के वक्त, पेयू के इंडिया हेड अनिर्बन मुखर्जी ने एक मीडिया हाउस से कहा था कि दोनों कंपनियों के एक होने से बाजार में और नए प्रोडक्ट्स लॉन्च होंगे। नीदरलैंड की कंपनी प्रॉसस की बहुलांश हिस्सेदारी नैस्पर्स के पास है।

डीलरों की आपूर्ति सुधार से सितंबर में वाहनों की खुदरा बिक्री में 11 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन के आने के पहले वाहन विनिर्माताओं से डीलरों को होने वाली आपूर्ति सुधरने के चलते सितंबर में वाहनों की खुदरा बिक्री 11 प्रतिशत बढ़ गई। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने मंगलवार को सितंबर बिक्री के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि पिछले महीने कुल खुदरा बिक्री 14,64,001 इकाइयों की हुई जो एक साल पहले की समान अवधि में 13,19,647 इकाई रही थी। फाडा ने कहा कि अक्टूबर के महीने में खुदरा बिक्री की संख्या इससे भी अधिक रहने की संभावना है क्योंकि इस दौरान दशहरा और दिवाली के त्योहार होने से उपभोक्ताओं की मांग अधिक रहने की उम्मीद है।

फाडा ने कहा, ÷डीलरों को इस महीने यात्री वाहन खंड में पिछले एक दशक का सबसे अच्छा त्योहारी मौसम रहने की उम्मीद है। हमें इस महीने बिक्री में और तेजी आने की स्थिति बनती हुई दिख रही है।÷ ट्रैक्टर एवं कुछ तिपहिया वाहनों को छोड़कर बाकी सभी वाहन खंडों ने सितंबर के महीने में बेहतर बिक्री आंकड़े दर्ज किए। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 2,60,556 इकाई जबकि सितंबर 2021 में 2,37,502 वाहन बिके थे। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने एक बयान में कहा, सेमीकंडक्टर की आपूर्ति सुधरने से कारों की उपलब्धता बेहतर होने और आधुनिक खूबियों से लैस नए मॉडलों की पेशकश से उपभोक्ता अपना पसंदीदा वाहन खरीदने के लिए डीलरों के पास बड़ी संख्या में आए।

यात्री वाहन खंड में मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 1,03,912 इकाइयों की खुदरा बिक्री की जबकि हुदै मोट इंडिया ने 39,118 और टाटा मोटर्स ने 36,435 इकाइयों की बिक्री की। इसी तरह दोपहिया वाहनों की पंजीकरण भी सितंबर में नौ प्रतिशत बढ़कर 10,15,702 इकाई हो गया जबकि एक साल पहले यह संख्या 9,31,654 थी। सिंघानिया ने कहा कि एंट्री-लेवल बाइक खंड में सबसे ज्यादा उछाल देखी गई। दोपहिया वाहन खंड में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया 2,84,160 इकाइयों के साथ सबसे आगे रही। हीरो मोटोकॉर्प 2,50,246 वाहनों की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रही। फाडा के मुताबिक, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सितंबर में 19 प्रतिशत बढ़कर 71,233 इकाई हो गई जो एक साल पहले 59,595 इकाई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय टीम ने महिला एशिया कप में यूएई को 104 रनों से हराया

जेमिमा और दीप्ति ने लगाये अर्धशतक

ढाका (एजेंसी)।

जेमिमा रोड्रिग्ज और दीप्ति शर्मा के अर्धशतकों की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश में खेले जा रहे महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 104 रनों से हराकर अपना तीसरा मुकाबला जीता है। इससे पहले भारतीय टीम ने श्रीलंका ओर मलेशिया को हराया था। इसी के साथ ही भारतीय टीम छह अंक लेकर अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। जेमिमा ने इस टूर्नामेंट में अपना दूसरा अर्धशतक लगाया है। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ भी अर्धशतक लगाया था। इस मैच में टॉस जीतकर भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 178 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की टीम 20 ओवर में 4 विकेट पर 74 रन ही बना पायी। भारत की ओर से स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ ने 20 रन देकर 2 विकेट लिए। इस तरह भारतीय टीम ने 104 रन से मुकाबला जीत लिया। इस मैच में नियमित कप्तान हरमनप्रीत को आराम दिये जाने के कारण स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम उतरी। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और उसने तीन विकेट खो दिये। एम मेघना 10, ऋचा घोष 0 और डी हेमलता 2 रन बनाकर ही आउट हो गयीं। इसके बाद दीप्ति और जेमिमा ने पारी संभाली। इन दोनो के बीच शतकीय साझेदारी से भारतीय टीम संभल गयी। । दीप्ति ने पांच चौके और दो छक्के लगाकर 49 गेंद पर 64 रन बनाये।

वहीं जेमिमा ने 45 गेंद पर 11 चौके लगाकर 75 रन बनाये। इसी के साथ ही जेमिमा ने अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय में नौवां शतक लगाया। पूजा वस्त्रकार 5 गेंद में 13 रन बनाकर आउट हुईं जबकि किरण नवगिरे ने 4 गेंद पर 10 रन बनाये।

इस मैच में जीत के लिए मिले 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम 10 ओवर में तीन विकेट पर 31 रन ही बना पायी। उसकी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने अपना विकेट बचाते ही नजर आयीं। किसी ने भी आक्रामक रुख अपनाने का प्रयास नहीं किया। कविशा इगोडगे ने सबसे ज्यादा 54 गेंद पर 30 रन बनाये। वहीं खुशी शर्मा ने भी 50 गेंद पर 29 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज दो अंकों तक नहीं पहुंच पायी। इस मैच में भारतीय टीम की शेफाली वर्मा, मेघना सिंह और राधा यादव भी नहीं खेल पायीं। इन तीन खिलाड़ियों की जगह पर स्नेह राणा, रेणुका सिंह और पूजा वस्त्रकार की टीम में वापसी हुई।

विंबलडन चैम्पियन इलेना रिबाकोवा की कीज पर संघर्षपूर्ण जीत

ओस्ट्रावा (एजेंसी)।

विंबलडन चैम्पियन इलेना रिबाकोवा ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके मेडिसन कीज को हराकर ऐजल ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत की। रिबाकोवा इस साल फ्रेंच ओपन और सिनसिनाटी में कीज से हार गई थी, लेकिन यहां वह 5-7, 6-3, 6-3 से जीत दर्ज करने में सफल रही। चेक गणराज्य के पूर्वी शहर ओस्ट्रावा में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के अन्य मैचों में ऑस्ट्रेलिया की अजला टॉमलजानोविच ने चीन की झांग शुआई को 6-3, 6-3 से और स्थानीय खिलाड़ी पेट्रा क्वितोवा ने अमेरिका की बर्नांडा पेरा को 6-3, 2-6, 6-4 से हराया। एक अन्य मैच में रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने बेलारूस की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी विक्टोरिया अजारेंका को 6-4, 4-6, 6-2 से पराजित किया।

आईसीसी टी20 रैंकिंग : जेमिमाह रोड्रिग्स की टॉप 10 में एंट्री, इस स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने मंगलवार को नई रैंकिंग के बाद आईसीसी महिला टी20 इंटरनेशनल प्लेयर रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंच गई है। सिलहट में एशिया कप के मैच में श्रीलंका के खिलाफ 53 गेंदों पर 76 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाले रोड्रिग्स चार पायदान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह स्मृति मंधाना (तीसरे) और शैफाली वर्मा (सातवें) के बाद भारत की तीसरी सबसे बड़ी बल्लेबाज हैं जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान की बढ़त के साथ 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वेस्टइंडीज की हरफनमौला खिलाड़ी हेले मैथ्यूज ने भी अपनी आईसीसी टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में सुधार किया है। मैथ्यूज ने पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी महिला चैम्पियनशिप श्रृंखला के बाद एकदिवसीय मैचों में ऑलराउंडरों में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उन्होंने पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल श्रृंखला में अपना शानदार प्रदर्शन किया जिसमें न्यूजीलैंड 2-1 से आगे रहा। मैथ्यूज को आठ स्थान का फायदा हुआ है और वह तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट के साथ कुल 12 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल के साथ तीसरे स्थान पर है। मैथ्यूज ने उस मैच में पारी की शुरुआत करते हुए 30 रन भी बनाए थे। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन की अगुवाई वाले बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान ऊपर 33वें और ऑलराउंडरों में तीन स्थान उपर दूसरे स्थान पर हैं। बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना (25वें), पाकिस्तान की कप्तान बिस्माह मारूफ (28वें) और भारत की हरफनमौला खिलाड़ी दीप्ति शर्मा (36वें) ने एक-एक स्थान हासिल किया है जबकि पाकिस्तान की निदा डार और बांग्लादेश की फरगना होक ने भी आगे बढ़ते हुए 44वें स्थान पर बराबरी कर ली है।

ईरानी कप: शेष भारत ने सौराष्ट्र को 8 विकेट से हराकर जीता खिताब

राजकोट (एजेंसी)।

तेज गेंदबाज कुलदीप सेन के पांच विकेट और अभिमन्यु ईश्वरन के नाबाद अर्धशतक की मदद से शेष भारत ने 2019-20 के रणजी चैंपियन सौराष्ट्र को मंगलवार को यहां आठ विकेट से हराकर ईरानी कप क्रिकेट प्रतियोगिता जीती।

शेष भारत ने 105 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 24 रन के अंदर दो विकेट गंवा दिए थे, लेकिन ईश्वरन (नाबाद 65) और विकेटकीपर बल्लेबाज श्रीकर भरत (नाबाद 27) ने इसके बाद टीम को कोई झटका नहीं लगने दिया और 32वें ओवर में उसे लक्ष्य तक पहुंचाया। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट (37 रन देकर दो विकेट) ने 89 रन की बेहतरीन पारी खेलने के बाद शेष भारत को शुरू में ही दो झटके दिए। उन्होंने मयंक अग्रवाल की जगह स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे प्रियांक पांचाल (दो) को विकेट के पीछे कैच कराने के बाद युवा बल्लेबाज यश धुल (आठ) को पगबाधा आउट किया। इसके बाद ईश्वरन और भरत ने तीसरे विकेट के लिए 81 रन की अटूट साझेदारी की। सौराष्ट्र की टीम पहली पारी में केवल 98 रन पर सिमट गई थी जिसके जवाब में शेष भारत ने 374 रन बनाकर 276 रन की मजबूत बढ़त हासिल की थी। सौराष्ट्र ने दूसरी पारी में 380 रन बनाए। सौराष्ट्र ने मैच के चौथे दिन सुबह अपनी दूसरी पारी आठ विकेट पर 368 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसने 12 रन जोड़कर बाकी बचे दोनों विकेट गंवा दिए। कप्तान उनादकट आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज थे। शेष भारत की तरफ से तेज गेंदबाज कुलदीप सेन ने दोनों विकेट लेकर पारी में 94 रन देकर पांच विकेट लिए।

दूसरी पारी में भी सौराष्ट्र का स्कोर एक समय पांच विकेट पर 87 रन था और उस पर पारी की हार का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन शेल्डन जैकसन (71), अर्पित वासवदा (55), प्रेरक मांकड़ (72) और उनादकट के अर्धशतकों की मदद से वह मैच को चौथे दिन तक खींचने में सफल रहा। इस मैच में सभी की निगाहें भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा पर टिकी थी लेकिन वह दोनों पारियों में असफल रहे।

टी20 विश्व कप के लिए अंपायरिंग करेंगे मेनन, 16 अंपायरों में शामिल होने वाले अकेले भारतीय

दुबई। भारत के नितिन मेनन समेत 16 अंपायर आस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप में अंपायरिंग करेंगे। मेनन आईसीसी अंपायरों की एलीट पेनल में अकेले भारतीय हैं और आस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं। आईसीसी ने टूर्नामेंट के पहले दौर और सुपर 12 चरण के लिये अधिकारियों की घोषणा कर दी। आईसीसी ने एक बयान में कहा ,'' कुल 16 अंपायर टूर्नामेंट में अंपायरिंग करेंगे। रिचर्ड केटलबरो, नितिन मेनन, कुमार धर्मसेना और मराइस इरास्मस ने 2021 फाइनल में अंपायरिंग की थी जब आस्ट्रेलिया ने पहला टी20 विश्व कप जीता था।'' आईसीसी मैच रैफरियों की पेनल के मुख्य रैफरी रंजन मदुगले भी चार पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों में से हैं जो मैच रैफरी होंगे। इनमें मदुगले के साथ जिम्बाब्वे के एंड्रयू पायक्रॉफ्ट, इंग्लैंड के क्रिस्टोफर ब्रॉड और आस्ट्रेलिया के डेविड बून शामिल हैं। पायक्रॉफ्ट 16 अक्टूबर को श्रीलंका और नामीबिया के बीच पहले दौर के मैच में रैफरी होंगे जबकि जोएल विल्सन और रॉडनी टकर अंपायरिंग करेंगे। पाल रीफेल टीवी अंपायर और इरास्मस चौथे अंपायर होंगे। इरास्मस , टकर और अलीम दर का यह सातवां टी20 विश्व कप होगा। आईसीसी ने बताया कि सेमीफाइनल और फाइनल के लिये मैच अधिकारियों की घोषणा बाद में की जायेगी। मैच रैफरी : एंड्रयू पायक्राफ्ट, क्रिस्टोफर ब्रॉड, डेविड बून, रंजन मदुगले। अंपायर : एड्रियन होल्डस्टोक, अलीम दर, अहसान रजा, क्रिस्टोफर ब्राउन, क्रिस्टोफर गाफाने, जोएल विल्सन, कुमार धर्मसेना, लेंगटन रूसेरे, मराइस इरास्मस, माइकल गॉ, नितिन मेनन, पॉल रीफेल, पॉल विल्सन, रिचर्ड इलिंगवर्थ, रिचर्ड केटलबरो, रॉडनी टकर।

टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम आगामी इस साल के अंत में नवंबर-दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम अपने इस दौरे में शीर्ष रैंकिंग वाली मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। विश्व रैंकिंग में अभी भारतीय टीम पांचवें स्थान पर बनी हुई है और उसे 26 नवंबर से चार दिसंबर के बीच यह सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का दूसरा, तीसरा और चौथा मैच 27 नवंबर, 30 नवंबर और तीन दिसंबर को होगा। इस साल अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में हुई भड़ंत के बाद यह पहला अवसर है जब दोनो टीमें खेलेंगी। अगले साल जनवरी में ओडिशा में होने वाले 2023 पुरुष विश्व कप की तैयारियों को देखते हुए यह सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इससे भारतीय टीम को अपनी तैयारी बेहतर करने का अवसर मिलेगा। वहीं भारतीय महिला टीम भी अगले साल मई में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के खिलाफ एक सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के लिए हालांकि अभी तारीखों की घोषणा होनी है। वहीं हॉकी ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड प्राइल्स ने कहा, 'एडिलेड में इन सभी मैचों की मेजबानी की संभावना जताने के साथ ही दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने मेजबानी के लिए बहुत उत्साह और उत्सुकता दिखायी है। ऐसे में हमें इन मैचों को दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में लाने की खुशी हो रही है।' उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ समय से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच हॉकी मैदान पर कड़ी टक्कर देखने को मिली है. एडिलेड में भारतीय मूल के लोगों की बड़ी आबादी होने के कारण भी भारत के काफी प्रशंसक रहेंगे।'

युवा फॉरवर्ड मुमताज ने जीता एफआईएच राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर अवार्ड

बेंगलुरु (एजेंसी)।

भारत की युवा फॉरवर्ड मुमताज खान को मंगलवार को एफआईएच स्टार अवार्ड्स 2021-22 में एफआईएच विमेंस राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर अवार्ड से नवाजा गया। 19 वर्षीय मुमताज, जो लखनऊ की रहने वाली है, ने एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप साउथ अफ्रीका 2021 में भारत के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहां उसने ग्रुप चरण में मलेशिया के खिलाफ हैट्रिक सहित 8 गोल किए।

पुरस्कार जीतने के बाद, मुमताज ने मान्यता के लिए वैश्विक हॉकी निकाय का आभार व्यक्त किया और पुरस्कार को भारतीय महिला हॉकी टीम को समर्पित किया। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा सम्मान देने के लिए मैं एफआईएच, हॉकी इंडिया और दुनिया भर के सभी हॉकी प्रशंसकों का आभार व्यक्त करना चाहती हूं। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मैंने यह पुरस्कार जीता है। यह हमारी पूरी टीम की कड़ी मेहनत है।' मुमताज ने कहा, 'मैं अपनी टीम को इसे समर्पित करती हूं।'

मुमताज एफआईएच महिला हॉकी 2022 में भारत के प्रमुख गोल-स्कोरर के रूप में उभरीं, जहां उन्होंने 4 खेलों में 5 गोल किए, जिसमें मेजबान स्विट्जरलैंड के खिलाफ हैट्रिक भी शामिल है। मुमताज ने कहा, 'मैं अपने साथियों का आभारी हूं। जब भी मुझे खुद पर संदेह हुआ, उन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया । मैं अपने कोचों का भी आभारी हूं जिन्होंने लगातार मेरा समर्थन किया और मुझे सलाह देना और मुझे बहुत सारे अवसर देना जारी रखा।'

मुमताज ने जोर देकर कहा कि कड़ी मेहनत अभी शुरू हुई है और यह पुरस्कार इस बात का संकेत है कि वह सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि पुरस्कार एक संकेत है कि मैंने पिछले एक साल में प्रशिक्षण के आधार पर जो कड़ी मेहनत की है, उससे मुझे एक खिलाड़ी के रूप में बहुत सुधार करने में मदद मिली है। लेकिन यह मेरे करियर की शुरुआत है। मैं सीखना जारी रखना चाहती हूं।' मुमताज ने कहा कि प्रक्रिया और अपने खेल में सुधार के लिए कड़ी मेहनत जारी रखूंगी।

लीस्टर ने ईपीएल में पहली जीत दर्ज की

लीस्टर। लीस्टर सिटी ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को 4-0 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता के इस सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की।

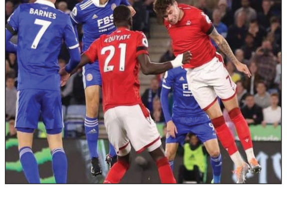

लीस्टर ने 8वें मैच में जीत का स्वाद चखा जिससे वह अंतिम स्थान से ऊपर 19वें नंबर पर पहुंचने में सफल रहा। नॉटिंघम फॉरेस्ट के लीस्टर के समान चार अंक हैं लेकिन गोल अंतर में पिछड़ने के कारण वह अंतिम स्थान पर खिसक गया है। इन दोनों टीम ने अब तक छह-छह मैच गंवाए हैं। लीस्टर की इस जीत में जेम्स मैडिसन ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो गोल किए जबकि हार्वे बर्न्स और पैटसन डाका ने एक-एक गोल किया। इस मैच में लीस्टर ने शुरू से हमलावर तेवर अपनाए जिसका उसे फायदा मिला।

2023 महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगा भारत

दुबई। (एजेंसी)।

भारत 2023 महिला टी20 विश्व कप में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 12 फरवरी को केपटाउन में अपने अभियान की शुरुआत करेगा। आईसीसी ने विश्व कप के आठवें सत्र के कार्यक्रम की घोषणा सोमवार को की। दक्षिण अफ्रीका में 10 से 26 फरवरी तक होने वाले टूर्नामेंट में भारत को इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान और क्वालीफायर आयरलैंड के साथ ग्रुप दो में रखा गया है। भारत का दूसरा मैच भी केपटाउन में 15 फरवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ है। इसके बाद टीम को इंग्लैंड और आयरलैंड से क्रमशः 18 और 20 फरवरी को गक्बेरहा में भिड़ना है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका विश्व कप के पहले मैच में केपटाउन में श्रीलंका से भिड़ेगा। टूर्नामेंट का फाइनल भी 26 फरवरी को केपटाउन में भी आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में रिजर्व दिन का प्रावधान होगा जिसमें किसी मैच में रुकावट आने पर उसे अगले दिन खेला जायेगा। केपटाउन, पार्ल और गक्बेरहा टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट के सभी नॉकआउट मैच केपटाउन में खेले जायेंगे। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 10 टीमों में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के अलावा बांग्लादेश और आयरलैंड शामिल है। जिनके बीच कुल 23 मैच खेले जायेंगे। पांच बार के विजेता और मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड, मेजबान दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ ग्रुप एक में रखा गया है। ग्रुप चरण में हर टीम चार-चार मैच खेलेगी और दोनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

आईपीएल से पहले होगी दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट लीग

जोहांसबर्ग। अगले साल 10 जनवरी से दक्षिण अफ्रीका में एसए 20 क्रिकेट लीग शुरु होगी। इस लीग को मिनी आईपीएल भी कहा जा रहा है क्योंकि दक्षिण अफ्रीका में होने वाले इस टी20 लीग की सभी 6 टीमों का मालिकाना अधिकार आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों के पास है। आईपीएल 2023 से पहले यह 20 क्रिकेट लीग खेली जाएगी। इस लीग में जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स की कप्तानी फाफ डुप्लेसी के पास रहेगी। इस प्रतियोगिता के पहले सत्र में कुल 33 मैच खेले जाएंगे। इसमें सभी टीमें राउंड रॉबिन के आधार पर एक-दूसरे से दो बार घर और बाहर खेलेगी और इसके बाद सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल मुक़ाबले खेले जाएंगे। इस लीग में ज्यादातर वही खिलाड़ी भाग लेंगे, जो आईपीएल 2023 में भी खेलते दिखे थे। इस प्रकार आईपीएल-2023 से पहले यह किसी लीग मिनी आईपीएल जैसी ही नजर आयेगी। एसए 20 क्रिकेट लीग में कुल 6 टीमें एम आई केपटाउन, डरबन सुपर जायंट्स, जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स, पार्ल रॉयल्स, प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप भाग लेंगी। इन सभी टीमों का मालिकाना अधिकार आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों के पास है। इसमें हर टीम के दल में 17 खिलाड़ी रहेंगे।

पीठ की चोट के कारण जसप्रीत बुमराह टी20 विश्व कप से बाहर : बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को यह घोषणा की। बुमराह चोटिल होने के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की इस प्रतियोगिता में नहीं खेल पाएंगे, इसकी रिपोर्ट पीटीआई ने 29 सितंबर को दे दी थी। बुमराह की अनुपस्थिति निश्चित तौर पर ऑस्ट्रेलिया में भारत की संभावनाओं को प्रभावित करेगी क्योंकि डेथ ओवरों की गेंदबाजी अभी टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है।

यह तेज गेंदबाज राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में उपचार करा रहा है और बीसीसीआई को उनकी चिकित्सा रिपोर्ट का इंतजार था लेकिन यह तय था कि वह अगले कई महीनों तक क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बयान में कहा,''बीसीसीआई की चिकित्सा टीम ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाएंगे। विशेषज्ञों से परामर्श करने और विस्तृत आकलन के बाद यह फैसला किया गया।''

बुमराह को पीठ में दर्द के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वर्तमान टी20 श्रृंखला से बाहर होना पड़ा था। बीसीसीआई ने टी20 विश्व कप के लिए अभी तक बुमराह की जगह पर किसी खिलाड़ी का चयन नहीं किया है लेकिन मोहम्मद शमी और दीपक चाहर में से किसी एक को टीम में जगह मिल सकती है। जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज उमरान वाली को स्टैंडबाई खिलाड़ियों की सूची में रखा जा सकता है। बुमराह पहले भी पीठ दर्द से परेशान रहे हैं। उन्हें 2019 में इसी वजह से तीन महीने तक बाहर रहना पड़ा था लेकिन इस बार उन्हें चार से छह महीने तक बाहर रहना पड़ सकता है। बुमराह ने इस साल भारत की तरफ से तीनों प्रारूपों में समान पांच - पांच मैच खेले जबकि इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की तरफ से उन्होंने 14 मैच खेले।

11 अक्टूबर से होगा अंडर 17 विश्व कप फुटबॉल

नई दिल्ली । 11 अक्टूबर से भारत में अंडर 17 विश्व कप फुटबॉल खेला जाएगा। भारतीय सीनियर राष्ट्रीय टीम की कप्तान आशालता देवी ने कहा है कि 11 से 30 अक्टूबर के बीच देश में होने वाले फीफा अंडर 17 विश्व कप से भारत में महिला फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ेगी। आशालता के अनुसार इससे भारत महिला फुटबॉल का बड़ा केंद्र बनेगा जबकि अभी कई लोगों को महिला फुटबॉल के बारे में जानकारी तक नहीं है। वहीं टीवी प्रसारण से लोग इसके बारे में जानेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला फुटबॉल के भविष्य के लिये यह एक अच्छा अवसर है। उन्होंने प्रशंसकों से बड़ी संख्या में स्टेडियम में आकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप 2022 को आपके सहयोग की जरूरत है। इसके खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन की ओर प्रेरित होंगे।

आश्विन शुक्ल दशमी को विजयदशमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। रामलीला में जगह-जगह रावण वध का प्रदर्शन होता है। क्षत्रियों के यहाँ शस्त्र की पूजा होती है। इस दिन नीलकंठ का दर्शन बहुत शुभ माना जाता है। यह त्योहार क्षत्रियों का माना जाता है। इसमें अपराजिता देवी की पूजा होती है। यह पूजन भी सर्वसुख देने वाला है। दशहरा या विजया दशमी नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। इस दिन राम ने रावण का वध किया था ।

बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व

दशहरा

दशहरा (विजयदशमी या आयुध-पूजा) हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिये इस दशमी को विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। दशहरा वर्ष की तीन अत्यन्त शुभ तिथियों में से एक है, अन्य दो हैं चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं, शस्त्र-पूजा की जाती है। प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण-यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का आयोजन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। दशहरा अथवा विजयदशमी भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक है, शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है।

रामलीला मंचन

दशहरा अथवा विजयदशमी राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। देश के कोने-कोने में यह विभिन्न रूपों से मनाया जाता है, बल्कि यह उतने ही जोश और उल्लास से दूसरे देशों में भी मनाया जाता जहां प्रवासी भारतीय रहते हैं।

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भाँति यहाँ भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियाँ और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर तुरही, बिगुल, ढोल, नगाड़े,

बाँसुरी आदि-आदि जिसके पास जो वाद्य होता है, उसे लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। इस दौरान यहां आगंतुकों का स्वागत पारंपरिक मिठाई और उपहारों से किया जाता है। यहां भी रावण-दहन के आयोजन होते हैं, व मैदानों में मेले लगते हैं।

बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकर, लोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैं, जो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहां दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। प्रथम दिन जिसे काछिन गादि कहते हैं, देवी से समारोहारंभ की अनुमति ली जाती है। देवी एक कांटों की सेज पर विरजमान होती हैं, जिसे काछिन गादि कहते हैं। यह कन्या एक अनुसूचित जाति की है, जिससे बस्तर के राजपरिवार के व्यक्ति अनुमति लेते हैं। यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसके बाद जोगी-बिठाई होती है, इसके बाद भीतर रैनी (विजयदशमी) और बाहर रैनी (रथ-यात्रा) और अंत में मुरिया दरबार होता है। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है। बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों,ओडिआ,और आसाम के लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरे बंगाल में पांच दिनों के लिए मनाया जाता है।ओडिशा और असम मे 4 दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। इसके साथ अन्य देवी द्वेवताओं की भी कई मूर्तियां बनाई जाती हैं। त्योहार के दौरान शहर में छोटे मोटे स्टाल भी मिठाईयों से भरे रहते हैं। यहां षष्ठी के दिन दुर्गा देवी का बोधन, आमंत्रण एवं प्राण प्रतिष्ठा आदि का आयोजन किया जाता है। उसके उपरांत सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के दिन प्रातः और सायंकाल दुर्गा की पूजा में व्यतीत होते हैं।अष्टमी के दिन महापूजा और बलि भि दि जाति है। दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रसाद चढ़ाया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है। पुरुष आपस में आलिंगन करते हैं, जिसे कोलाकुली कहते हैं। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं, व देवी को अश्रुपूरित विदाई देती हैं। इसके साथ ही वे आपस में भी सिंदूर लगाती हैं, व सिंदूर से खेलते हैं। इस दिन यहां नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है। तदनंतर देवी प्रतिमाओं को बड़े-बड़े ट्रकों में भर कर विसर्जन के लिए ले जाया जाता है। विसर्जन की यह यात्रा भी बड़ी शोभनीय और दर्शनीय होती है।

कर्नाटक में मैसूर का दशहरा विशेष उल्लेखनीय है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुलहन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभा यात्रा का आनंद लेते हैं। इन द्रविड़ प्रदेशों में रावण-दहन का आयोजन नहीं किया जाता है।

गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। इस अवसर पर भक्ति, फिल्म तथा पारंपरिक लोक-संगीत सभी का समायोजन होता है। पूजा और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात होता रहता है। नवरात्रि में सोने और गहनों की खरीद को शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं, जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं।

विजय पर्व

दशहरे का उत्सव शक्ति और शक्ति का समन्वय बताने वाला उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिन जगदम्बा की उपासना करके शक्तिशाली बना हुआ मनुष्य विजय प्राप्ति के लिए तत्पर रहता है। इस दृष्टि से दशहरे अर्थात विजय के लिए प्रस्थान का उत्सव का उत्सव आवश्यक भी है। भारतीय संस्कृति सदा से ही वीरता व शौर्य की समर्थक रही है। प्रत्येक व्यक्ति और समाज के रुधिर में वीरता का प्रादुर्भाव हो कारण से ही दशहरे का उत्सव मनाया जाता है। यदि कभी युद्ध अनिवार्य ही हो तब शत्रु के आक्रमण की प्रतीक्षा ना कर उस पर हमला कर उसका पराभव करना ही कुशल राजनीति है। भगवान राम के समय से यह दिन विजय प्रस्थान का प्रतीक निश्चित है। भगवान राम ने रावण से युद्ध हेतु इसी दिन प्रस्थान किया था। मराठा रत्न शिवाजी ने भी औरंगजेब के विरुद्ध इसी दिन प्रस्थान करके हिन्दू धर्म का रक्षण किया था। भारतीय इतिहास में अनेक उदाहरण हैं जब हिन्दू राजा इस दिन विजय-प्रस्थान करते थे। इस पर्व को भगवती के विजया नाम पर भी विजयादशमी कहते हैं। इस दिन भगवान रामचंद्र चौदह वर्ष का वनवास भोगकर तथा रावण का वध कर अयोध्या पहुँचे थे। इसलिए भी इस पर्व को विजयादशमी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं। ऐसा माना गया है कि शत्रु पर विजय पाने के लिए इसी समय प्रस्थान करना चाहिए। इस दिन श्रवण नक्षत्र का योग और भी अधिक शुभ माना गया है। युद्ध करने का प्रसंग न होने पर भी इस काल में राजाओं (महत्त्वपूर्ण पदों पर पदासीन लोग) को सीमा का उल्लंघन करना चाहिए। दुर्योधन ने पांडवों को जुए में पराजित करके बारह वर्ष के वनवास के साथ तेरहवें वर्ष में अज्ञातवास की शर्त दी थी। तेरहवें वर्ष यदि उनका पता लग जाता तो उन्हें पुनः बारह वर्ष का वनवास भोगना पड़ता। इसी अज्ञातवास में अर्जुन ने अपना धनुष एक शमी वृक्ष पर रखा था तथा स्वयं वृहन्नला वेश में राजा विराट के यहँ नौकरी कर ली थी। जब गोरक्षा के लिए विराट के पुत्र धृष्टद्युम्न ने अर्जुन को अपने साथ लिया, तब अर्जुन ने शमी वृक्ष पर से अपने हथियार उठाकर शत्रुओं पर विजय प्राप्त की थी। विजयादशमी के दिन भगवान रामचंद्रजी के लंका पर चढ़ाई करने के लिए प्रस्थान करते समय शमी वृक्ष ने भगवान की विजय का उद्घोष किया था। विजयकाल में शमी पूजन इसीलिए होता है।

विजयदशमी पर पूजें शमी वृक्ष

भारत में प्रत्येक चेतन व अचेतन को सम्मान देते हुए उनका पूजन भी किया जाता है। इनमें वृक्ष-वनस्पतियाँ भी सम्मिलित हैं। जिस तरह चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर नीम, ज्येष्ठ पूर्णिमा वट सावित्री व्रत पर वट वृक्ष, सोमवती अमावस्या पर तुलसी, पीपल का, भाद्रमास की कुशग्रहिणी अमावस्या पर कुशा का और कार्तिक की आँवला नवमी पर आँवले के वृक्ष के पूजन का महत्व है, उसी प्रकार आश्विन शुक्ल दशमी (विजयदशमी) पर दो विशेष प्रकार की वनस्पतियों के पूजन का महत्व है। इनमें से एक है शमी वृक्ष, जिसका पूजन रावण दहन के बाद करके इसकी पत्तियों को स्वर्ण पत्तियों के रूप में एक-दूसरे को ससम्मान प्रदान किया जाता है। इस परंपरा में विजय उल्लास पर्व की कामना के साथ समृद्धि की कामना का रहस्य छुपा हुआ है। दूसरी वनस्पति है अपराजिता (विष्णु-क्रांता)। यह पौधा अपने नाम के अनुरूप ही पहचान देता है। यह विष्णु को प्रिय है और प्रत्येक परिस्थिति में सहायक बनकर विजय प्रदान करने वाला है। नीले रंग के पुष्प का यह पौधा भारत में सुलभता से उपलब्ध है। घरों में समृद्धि के लिए तुलसी की भाँति इसकी नियमित सेवा की जाती है। आयुर्वेद के अनुसार यह पौधा कफ विकारों को दूर करते हुए मासिक धर्म संबंधी समस्याओं के अलावा प्रसव पीड़ा निवारण में भी महत्व रखता है। तंत्र शास्त्र में युद्ध अथवा मुकदमेबाजी के मामले में यह उपयोगी है। विजयदशमी को दुर्गा पूजन, अपराजिता पूजन, विजय प्रयाण, शमी पूजन तथा नवरात्र पारण के महान कर्म हैं। क्लाइटोरिसाटरनेटिया डालकुलम प्रजाति का यह पौधा भगवान राम युग के पहले से ही व्यवहार में स्थापित है और विद्वानों ने इसका बहुत महत्व बताया है। विजयदशमी को प्रातःकाल अपराजिता लता का पूजन, अतिविशिष्ट पूजा-प्रार्थना के बाद विसर्जन और धारण आदि से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होते हैं। ऐसी पुराणों में मान्यता हैं।

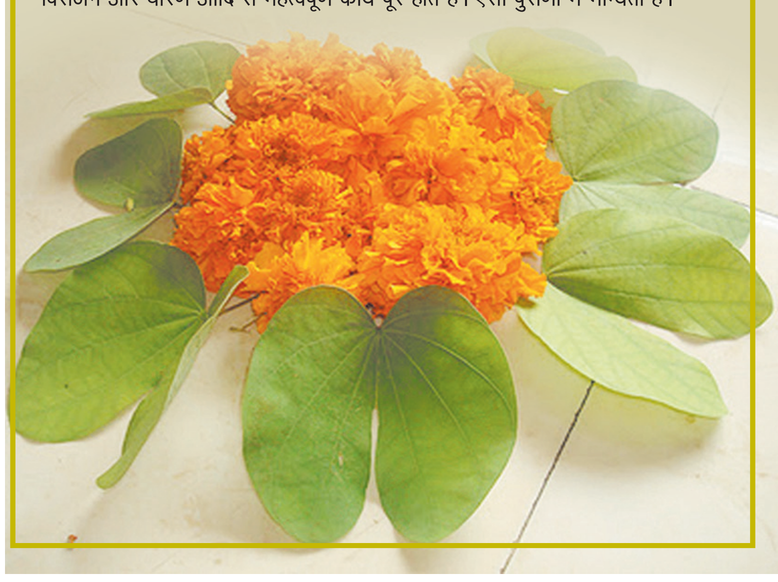

विजयदशमी अर्थात् अपराजिता पूजन

विजयदशमी का पर्व उत्तर भारत में आश्विन शुक्ल पक्ष के नवरात्र संपन्न होने के उपरांत मनाया जाता है। शास्त्रों में दशहरे का असली नाम विजयदशमी है, जिसे अपराजिता पूजा भी कहते हैं। नवदुर्गाओं की माता अपराजिता संपूर्ण ब्रह्मांड की शक्तिदायिनी और ऊर्जा उत्सर्जन करने वाली हैं। महर्षि वेद व्यास ने अपराजिता देवी को आदिकाल की श्रेष्ठ फल देने वाली, देवताओं द्वारा पूजित और त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) द्वारा नित्य ध्यान में लाई जाने वाली देवी कहा है। गायत्री स्वरूप अपराजिता को निम्नलिखित मंत्र से भी पूजा जाता है -

ओम् महादेव्यै च विह्माहे दुर्गायै
धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात।।
ओम् नमः सर्व हिताथौयै जगदाधार दायिके।
साष्टांगोष्प्रणामस्ते प्रयत्नेन मया कृतः।
नमस्ते देवी देवेशि नमस्ते ईप्सित प्रदे।
नमस्ते जगतां धातित्र नमस्ते शंकरप्रिये।।
ओम् सर्वरूपमयी देवी सर्व देवीमयं जगत।
अतोष्हं विश्वरूपां तां नमामि परमेश्वरीम।।

चारों युगों के आरंभ होने के समय से ही देवी अपराजिता के पूजन का भी आरंभ हुआ। कथा के अनुसार, देव-दानव युद्ध का काफी लंबा अंतराल बीत चुका था। नवदुर्गाओं ने दानवों के संपूर्ण वंश का नाश कर दिया। इसके बाद माता दुर्गा अपनी आदिशक्ति अपराजिता का पूजन करने के लिए शमी की घास लेकर हिमालय में अंर्तध्यान हो गईं और आर्य व्रत के राजाओं ने इस विजय को उत्सव के रूप में मनाते हुए विजयदशमी पर्व का आरंभ किया। उल्लेखनीय है कि उस वक्त विजयदशमी देवताओं द्वारा दानवों पर विजय प्राप्त करने के उपलक्ष्य में मनाई गई थी। इस युद्ध में देवताओं के साथ धरती के राजा दशरथ, जनक और शोणक ऋषि जैसे राजाओं ने भी अपना युद्ध कौशल दिखाया था। बाद में रामायण काल में राम का राज्याभिषेक हुआ, लेकिन इसी दौरान रावण एवं अन्य दानवों के अत्याचारों से धरती फिर अशांत हो गई। धरती के जीवों को उनसे बचाने के लिए राम को वनवास पर जाना पड़ा। वैसे, राम ने अपने बाल्यकाल से ही आर्यावृत पर घिरे हुए राक्षसों को एक-एक करके मारा। सबसे बड़े राक्षस रावण को मारने के लिए उन्हें जो श्रम करना पड़ा, उसका उल्लेख रामायण में मिलता है। राम-रावण युद्ध नवरात्रों में हुआ। रावण की मृत्यु अष्टमी-नवमी के संधिकाल में और दाह संस्कार दशमी तिथि को हुआ। इसके बाद विजयदशमी मनाने का उद्देश्य रावण पर राम की जीत यानी असत्य पर सत्य की जीत हो गया। आज भी संपूर्ण रामायण की रामलीला नवरात्रों में ही खेली जाती है और दसवें दिन सायंकाल में रावण का पुतला जलाया जाता है। इस दौरान यह ध्यान रखा जाता है कि दाह के समय भदा न हो। रामायण काल के बाद दशहरा मूलतः राजाओं यानि क्षत्रिय राजाओं का त्योहार माना गया। इसे राजाओं के विजय उत्सव के रूप में देखा जाने लगा। वे युद्ध में विजयी होकर उत्सव के रूप में अपनी प्रजा के बीच पहुंचते थे। मैसूर में वहां के राजा की सवारी काफी प्रसिद्ध रही है। वह इस दिन हाथी पर बैठकर अपने महल से बाहर आते थे और दशहरा मैदान में मां अपराजिता की पूजा करते थे। राजाओं की परिपाटी समाप्त होने के बाद आज वहां के राज्यपाल इस परंपरा का निर्वहन करते हैं। इसी तरह, हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू का दशहरा भी बहुत प्रसिद्ध है। यहां दशमी से अगले 15 दिन तक रोज वहां के भूतपूर्व राजा या उनके वंश को कोई व्यक्ति जनसभा में रावण दाह करके विजयदशमी का पूजन करता है। ऐसे ही सार्वजनिक उत्सव बनारस और इलाहाबाद में भी होते हैं। बंगाल में यह पूजन दुर्गा पूजा से ही जोड़ा जाता है। दुर्गा पूजा की महानवमी के बाद विजय दशमी के दिन कोलकाता समेत सारे बंगाल में मंदिरों में पंडाल सजते हैं और उत्सव मनाया जाता है। इसी दिन आदिशक्ति दुर्गा सहित काली पूजन और अपराजिता पूजन की रस्म भी निभाई जाती है। कुल मिलाकर, विजयदशमी बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इस विजय के लिए देवी मां अपराजिता अपनी अपार शक्ति समय-समय पर शूरवीर राजाओं को प्रदान करती रहती हैं।

विजयदशमी का पर्व हमारी संस्कृति से जुड़ा है। अपार भीड़ खींचने वाली यह सांस्कृतिक परंपरा असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने घर और बाहर उस विजयपर्व का आनंद उठाते हैं, जिसका आरंभ हजारों साल पहले हुआ था।

पेंटागन में पाकिस्तान के सेना प्रमुख से मुलाकात करेंगे अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन मंगलवार को पेंटागन में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग बढ़ने के संकेतों के बीच यह बैठक होने जा रही है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने पिछले सप्ताह वाशिंगटन में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन समेत (अमेरिका के राष्ट्रपति जो) बाइडन प्रशासन के कई शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की थी। ऑस्टिन पेंटागन में बाजवा का स्वागत करेंगे, जिसके बाद दोनों द्विपक्षीय व क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। अमेरिका के पाकिस्तान से संबंध हाल के महीनों में बेहतर हुए हैं, खासकर सैन्य सहयोग के मामले में .. पिछले महीने अमेरिका ने एफ-16 लड़ाकू विमानों के रखरखाव के वास्ते पाकिस्तान के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पैकेज की घोषणा की थी।

स्विट्जरलैंड के हालात अमेरिका की 2008 की मंदी जैसे

ज्यूरिख। स्वीटजरलैंड का सबसे बड़ा क्रेडिट सुइस बैंक दिवालिया होने की स्थिति से गुजर रहा है। शेयर बाजार में पिछले साल इसकी वैल्यू 1 लाख 82 हजार करोड़ रुपए थी। शेयर बाजार में गिरावट आने के बाद इसकी मार्केट वैल्यू में 53 फ़ीसदी की गिरावट आ गई है। बैंक की बाजार वैल्यू और शेयर बाजार की कीमतें 56 फ़ीसदी गिर जाने से, यह बैंक दिवालिया होने की स्थिति में आ गया है। 2008 में अमेरिका के लीमन ब्रदर्स की जो स्थिति बनी थी। वही स्थिति इस बैंक की वर्तमान में बन गई है। इस बैंक के बड़े अधिकारी इस परिवर्तन से चिंतित होकर बैंक छोड़कर भाग रहे हैं। हेड आफ ग्लोबल क्रेडिट प्रोडक्ट डेनियल मेकार्थी ने भी अपना इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद से ही बैंक में जमा करता अपना पैसा वापस लेने के लिए पहुंच रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार स्विट्जरलैंड में जो हालत पैदा हुए हैं। उसके बाद पूरी दुनिया के देशों में लगभग यही स्थिति देखने को मिल रही है। शेयर मार्केट के जरिए जो बबल बना बैंकों और कंपनियों ने बनाया हुआ था। वह तेजी के साथ फूटता हुआ दिख रहा है। जिसके कारण आर्थिक अपराधी का माहौल स्वीटजरलैंड में बन गया है।

ईरान में लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर गुस्साया अमेरिका, दोषियों को मिलेगी सजा

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ईरान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त कर कहा कि हिंसा करने वाले दोषियों को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। गौरतलब है कि कथित तौर पर हिजाब नहीं पहनने के चलते पुलिस ने 22 वर्षीय महसा अमीनी को हिरासत में ले लिया था, बाद में उसकी मौत के बाद देशभर में विरोध-प्रदर्शन होने लगे। ईरानी सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई की। बाइडन ने ईरान को सख्त संदेश देकर कहा कि ईरानी सरकार ने दशकों से अपने लोगों को मौलिक आजादी नहीं दी और धमकी, बल और हिंसा के द्वारा आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षाओं को दबाया है। अमेरिका, ईरानी महिलाओं और ईरान के सभी नागरिकों के साथ है जो अपनी बहादुरी से दुनिया को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरानी नागरिकों के लिए इंटरनेट तक पहुंच को आसान बना रहा है। अमेरिका ईरानी अधिकारियों और संस्थाओं जैसे कि मोरलिटी पुलिस को जवाबदेह भी ठहरा रहा है, जो नागरिक समाज को दबाने के लिए हिंसा भड़काने के जिम्मेदार हैं। बाइडेन के मुताबिक अमेरिका शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा के दोषियों पर इस सप्ताह पाबंदियां लगाएगा। अमेरिका ने साफ किया कि वह ईरान के अधिकारियों को जवाबदेह ठहराता रहेगा और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने के ईरानी लोगों के अधिकारों का समर्थन करेगा।

इंडोनेशियाई पुलिस ने फुटबॉल मैच के दौरान आंसू गैस छोड़ने के जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ शुरू की जांच

जकार्ता । इंडोनेशिया की पुलिस ने बताया कि वह आंसू गैस के गोले छोड़ने के लिए जिम्मेदार एक दर्जन से अधिक अधिकारियों के खिलाफ जांच कर रही है, जिसके कारण फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़ मचने से 17 बच्चों समेत 174 लोगों की मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों और दोस्तों ने दुख व्यक्त किया। मृतकों में दो पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। मैच के बाद हुए विवाद को शांत करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे, जिसके चलते प्रशंसकों के बीच भगदड़ मच गई थी और ज्यादातर लोगों की मौत भीड़ में कुचले जाने के कारण हुई है। पूर्वी जावा के मलंग शहर में फुटबॉल मैच देखने के दौरान अपने प्रियजनों को अचानक खोने की बात दुखी परिजनों को आसानी से स्वीकार नहीं हो रही थी। मैच देखने वालों में केवल गृहनगर की टीम 'अरेमा एफसी' के ही प्रशंसक थे। आयोजकों ने फुटबॉल मैच के दौरान हिंसक शत्रुता के इतिहास को देखते हुए 'पेर्सेबाया सुराबाया' के समर्थकों के स्टेडियम में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी थी। यह भगदड़ किसी खेल कार्यक्रम के दौरान हुई अब तक की सबसे घातक भगदड़ में से एक है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मैदान में उमड़े प्रशंसकों ने मांग की कि अरेमा प्रबंधक बताएं कि क्यों पेर्सेबाया के खिलाफ घरेलू मैंचों में 23 साल से अजेय रही टीम शनिवार को 3-2 से हार गई। अरेमा के 42 हजार प्रशंसकों ने खिलाड़ियों और फुटबॉल अधिकारियों पर बोतलें और अन्य चीजें फेंकीं और कम से कम पांच पुलिस वाहनों को उलटकर स्टेडियम के बाहर जला दिया गया। ज्यादातर मौतें तब हुईं जब दंगा नियंत्रण पुलिस ने हिंसा को रोकने की कोशिश की और दर्शक दीर्घा समेत अन्य स्थानों पर आंसू गैस के गोले छोड़े। इससे भगदड़ मच गई। पुलिस ने कहा कि भगदड़ में कुल 323 लोग घायल हुए, जिनमें से कुछ की हालत अब भी नाजुक है।

पाकिस्तान में बाढ़ के बाद अब मलेरिया-डेंगू का कहर, अस्पतालों में मरीजों की भीड़

इस्लामाबाद । बाढ़ और आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में अब जलजनित बीमारियां पैर पसार रही हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मलेरियां, डेंगू और अन्य बीमारियों के मरीज अस्पतालों में दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। हजारों लोग बीमारियों के इलाज के लिए अस्पतालों के गलियारे में बैठे हुए हैं। अस्पताल के कमरों के साथ आपातकालीन वार्ड भी भरे हुए हैं। पाकिस्तान के हालात को देखते हुए डब्ल्यूएचओ ने भी दूसरी आपदा की चेतावनी दे दी है। दक्षिणी पाकिस्तान के एक छोटे से शहर सेहवान के मुख्य सरकारी अस्पताल में आपातकालीन वार्ड में पांव रखने की भी जगह नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक सैकड़ों लोग कमरों और गलियारों में बैठे हुए हैं, जो मलेरिया और अन्य बीमारियों के इलाज के लिए बेताब हैं। बता दें कि ये जलजनित बीमारियां देश की सबसे भीषण बाढ़ के बाद से फैलनी शुरू हुई है। अब्दुल्ला शाह इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज के आपातकालीन प्रतिक्रिया विभाग में एक डॉक्टर ने बताया कि दक्षिणी पाकिस्तान में बीमारी और मौत को सीमित करने की लड़ाई हम लगातार लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 22 करोड़ की आबादी वाले देश में बाढ़ से करीब 33 मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं। हर सुबह क्लिनिक में अनुमानित 300-400 रोगियों में से कई बच्चे मलेरिया और दस्त से पीड़ित होते हैं। अहमद के मुताबिक, बाढ़ के वजह से लोगों में त्वचा, आंखों में संक्रमण, दस्त, मलेरिया, टाइफाइड और डेंगू बुखार के व्यापक मामले सामने आ चुके हैं। उन्होंने बताया पाकिस्तान में फैले बाढ़ के पानी को कुछ स्थानों पर कम होने में दो से 6 महीने लग सकते हैं। बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र सिंध प्रांत के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार एक जुलाई से अब तक मलेरिया के 17,285 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। बीमारी के प्रकोप के जोखिम को देखते हुए, सिंध सरकार सबसे अधिक जोखिम वाले जिलों में अस्थाई आधार पर 5,000 से अधिक स्वास्थ्य पेशेवरों को नियुक्त करने की कोशिश कर रही है।

दुर्गा पूजा में शामिल हुए न्यूयार्क के मेयर एडम्स, उत्सव के संदेश 'बुराई पर अच्छाई की जीत' को सराहा

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। भारत समेत दुनिया भर के तमाम देशों में दुर्गा पूजा धूमधाम से आयोजन किया गया। अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के साथ देश के राजनेताओं ने भी दुर्गा पूजा में जोर शोर से भाग लिया। न्यूयॉर्क में भारतीय समाज की ओर से आयोजित दुर्गा पूजा कार्यक्रम में शहर के मेयर एरिक एडम्स भी शामिल हुए। मेयर ने इस उत्सव के संदेश 'बुराई पर अच्छाई की जीत' पर जोर देते हुए कहा कि इस चुनौतीपूर्ण समय में सबको इसकी तारीफ करनी चाहिए। एडम्स ने अपने टवीट में कहा कि नवदुर्गा बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव है। यह ऐसी चीज है, जिसकी हम सभी इस चुनौतीपूर्ण समय में सराहना कर सकते हैं। क्वींस में आज की रात शहर के बंगाली समुदाय के बीच शामिल होना खुशी और सम्मान की बात है। देश के अलग अलग हिस्सों में दुर्गा पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया।

हेती में कीमतें बढ़ने के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग। इस दौरान कई बेरीकेडों में भी आग लग गयी।

युद्ध से बचने के लिए अपना हाथ-पैर तुड़वा रहे रूसी युवा, रूह कंपा देने वाला वीडियो वायरल

मॉस्को । यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के बीच राष्ट्रपति पुतिन ने जब से लामबंदी की घोषणा की है, तबसे देश छोड़ने का प्रयास करने वाले युवाओं की संख्या बढ़ गई है। वहीं, कुछ युवा अपने हाथ-पैर तोड़कर सेना में भर्ती होने का प्रयास कर रहे हैं। एक वायरल वीडियो ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खीचा है। यूक्रेन में युद्ध लड़ने से बचने के लिए रूस के युवा अपने हाथ-पैर तोड़ रहे हैं। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है। जिसमें एक दोस्त स्लेजहैमर पकड़े खड़ा है और दूसरा अपने बाएं हाथ को पकड़े हुए जमीन पर बैठा है। उसका दोस्त उचानक नीचे बैठे शख्स के हाथ पर हथौड़े से वार करता है और फिर वह कैमरे के फ्रेम से चला जाता है। दूसरा शख्श अपने घायल हाथ को लटकाए हुए खड़ा हो जाता है, तभी दो महिलाए उसे देखने आती हैं।

यह वीडियो 38 सेकंड का है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसे काफी लोगों ने रिट्वीट किया है। इस बीच खबर है कि रूसी एयरलाइन्स में उन युवाओं को विदेश जाने का टिकट देने के लिए मना किया है, जो यूक्रेन में जाकर लड़ने की आयु के हैं। विमानन कंपनियों ने यह निर्णय हाल के दिनों में देश छोड़कर भाग रहे युवाओं की बढ़ती संख्या को देखकर लिया है।

विदेश सचिव क्वात्रा ने मालदीव की रक्षा मंत्री से रक्षा सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने यहां मालदीव की रक्षा मंत्री मारिया दीदी से मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित द्वीप समूह के साथ रक्षा सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर चर्चा की। मालदीव की तीन दिवसीय अपनी आधिकारिक यात्रा के अंतिम दिन क्वात्रा ने सोमवार को रक्षा मंत्रालय में आयोजित विशेष समारोह में मालदीव के राष्ट्रीय रक्षा बल के लिए अनुदान सहायता के रूप में विभिन्न वर्ग के 24 उपयोगी वाहन सौंपे।

मालदीव के रक्षा मंत्रालय ने ट्वीट कर बताया, 'दोनों नेताओं के बीच चर्चा भारत और मालदीव के बीच रक्षा सहयोग को और बढ़ावा देने पर केंद्रित थी।' मंत्रालय ने कहा कि मारिया ने मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल और रक्षा क्षेत्र की क्षमताओं को बढ़ावा देने की दिशा में बिना शर्त समर्थन और सहायता प्रदान करने के लिए भारत का आभार जताया। मंत्रालय ने एक अन्य ट्वीट में कहा, 'मंत्री ने भारत की सरकार और लोगों का 'हर समय' बिना शर्त अपने पड़ोसी मालदीव को उदार समर्थन देने के लिए आभार जताया।÷

रविवार को क्वात्रा ने मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों पर महत्वपूर्ण चर्चा की, जिसमें द्वीपीय देश में चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति भी शामिल है। विदेश सचिव ने राष्ट्रपति सोलिह को भारत-मालदीव के बीच साझेदारी के विस्तार के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को लेकर आश्वस्त भी किया। क्वात्रा ने रविवार को मालदीव के अपने समकक्ष अहमद लतीफ के साथ भी बातचीत की। इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की और 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा के समझौते पर मुहर लगाई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को कहा था, 'दोनों पक्षों ने हमारे द्विपक्षीय संबंधों में मजबूत वृद्धि का सकारात्मक मूल्यांकन किया और इसकी गति को और आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।' क्वात्रा ने रविवार को मालदीव के आर्थिक विकास मंत्री फैयाज इस्माइल और वित्त मंत्री इब्राहिम अमीर से भी मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग और भावी साझेदारी के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की थी। विदेश सचिव अपनी तीन दिवसीय यात्रा समाप्त करके माले के लिए रवाना हुए जो आपसी हित के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित थी।

रूसी संसद के उच्च सदन ने चार यूक्रेनी क्षेत्रों के विलय से जुड़ी संधियों को मंजूरी दी

लाइमैन (यूक्रेन)।(एजेंसी)।

रूसी संसद के उच्च सदन ने चार यूक्रेनी क्षेत्रों के विलय से जुड़ी संधियों को मंगलवार को मंजूरी दे दी। रूसी संसद के ऊपरी सदन 'फेडरेशन काउंसिल' ने मंगलवार को पूर्वी दोनेत्सक व लुहान्स्क और दक्षिणी खेरसॉन तथा जापोरिज्जिया क्षेत्रों को रूस का हिस्सा बनाने से जुड़ी संधियों को मंजूरी देने के लिए मतदान किया। निचले सदन ने पिछले सप्ताह 'क्रेमलिन-ऑर्केस्ट्रेटेड एनेक्सेशन' पर जनमत संग्रह के बाद उस पर मुहर लगा दी थी। इस जनमत संग्रह को यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगियों ने अवैध बताकर खारिज कर दिया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भी मंगलवार को अनुमोदित की गई संधियों को जल्द मंजूरी देने की उम्मीद है। इस बीच, रूसी सैनिकों के शव पूर्वी यूक्रेन के प्रमुख शहर में सड़कों पर पड़े नजर आए। यूक्रेन के बलों द्वारा घेरे जाने के डर के कारण रूसी सैनिक सप्ताहांत में लाइमैन शहर से बाहर आ गए थे। इससे यूक्रेन की कार्रवाई को काफी बल मिला, जो रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों को दोबारा अपने नियंत्रण में लेने के लिए लगातार जद्दोजहद कर रहा है। यूक्रेनी सेना ने लाइमैन में भीषण युद्ध के बाद अपने सैनिकों के शवों को वहां से हटा दिये, लेकिन रूसी सैनिकों के शवों को तत्काल हटाया नहीं गया। यूक्रेन के एक सैनिक ने कहा, '' हम अपनी सरजमीं के लिए, अपने बच्चों के लिए लड़ रहे हैं ताकि हमारे लोग बेहतर जिंदगी जी पाएं... लेकिन इसकी एक भारी कीमत है।'' भूतल और अन्य सुरक्षित स्थानों पर छुपे लाइमैन के निवासी भी लड़ाई थमने के बाद बाहर निकले। इस शहर में मई से पानी, बिजली और गैस सेवाएं ठप हैं। वैलेंटाइना कुज्मिचना (85) ने हाल ही में हुए एक विस्फोट को याद करते हुए कहा, '' मैं एक हॉल में थी जब करीब पांच मीटर दूर एक धमाका हुआ।'' यूक्रेन की सेना द्वारा पूर्व व दक्षिण में जवाबी हमले करने के बाद, रूसी सेना ने मंगलवार को यूक्रेनी शहरों पर और मिसाइल हमले शुरू किए।

रूस-यूक्रेन जंग में मस्क ने दी शांति बरतने की सलाह, कहा रूस के पास यूक्रेन से तीन गुना ज्यादा बड़ी सेना

कीव (एजेंसी)।

दुनिया के सबसे अमीर शख्श टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने रूस-यूक्रेन जंग में शांति की सलाह दी है। दरअसल मस्क ने रूस को ज्यादा ताकतवार बताया है और कहा कि यदि आप यूक्रेन की परवाह करने वालों में से हैं, तो शांति की तलाश करें, क्योंकि रूस के पास 3 गुना बड़ी सेना है, ऐसे में पलड़ा रूस का ही भारी दिखाई देता है। मस्क के ट्वीट पर यूक्रेनी अधिकारियों ने गुस्से में अपनी प्रतिक्रिया की है, साथ ही जेलेंस्की ने भी एक ट्वीट पोल शेयर किया है, जिसमें लिखा है कि आप कौन से एलोन मस्क को पसंद करते है? एक जो यूक्रेन का समर्थन करता है या एक जो रूस के साथ है? मस्क ने अपने ट्विटर हैंडल से दो पोल को साझा किया है, जो यूक्रेन-रूस शांति पर आधारित है। उन्होंने 4 बिंदु में लिखा कि संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में हथियाये गए क्षेत्रों के चुनाव फिर से हों, अगर रूस छोड़ देता है तो समझिए कि यह वहां के लोगों की इच्छा है। सन 1783 के इतिहास को बताते हुए उन्होंने दूसरे बिंदु में लिखा कि क्रीमिया औपचारिक रूप से रूस का हिस्सा है। तीसरे बिंदु में क्रीमिया को पानी की आपूर्ति के आश्वासन देने पर है। बता दें कि 2014 में क्रीमिया का रूस में विलय होने के बाद यूक्रेन ने नहर को बंद कर दिया था, जो क्रीमिया में पानी की आपूर्ति करता था, लेकिन पानी का प्रवाह मार्च 2022 में रूसी आक्रमण के दौरान दोबारा बहाल कर दिया गया। चौथे बिंदु में यूक्रेन के न्यूट्रल रहने को कहा गया है। एलन मस्क के इस पोल पर 62 प्रतिशत लोगों ने नहीं ऑप्शन चुना और 38 प्रतिशत लोगों ने हां का ऑप्शन चुना है।

ताइवान के बाद दक्षिण कोरिया से बढ़ रही है अमेरिका की नजदीकियां, साथ में किया युद्धाभ्यास, क्या किम जोंग को डराने की कोशिश?

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

जहां एक तरफ नोर्थ कोरिया लगातार प्रशांत महासागर में बैलास्टिक मिसाइल का परिक्षण कर रहा है वहीं दूसरी तरफ अमेरिका की साउथ कोरिया के साथ नजदिकियां बढ़ती जा रही हैं। साउथ कोरिया पर हमेशा से ही अमेरिका का प्रभाव रहा है। वहां की नीतियों और विदेशी संबंधों पर भी अमेरिका ही हावी रहा हैं लेकिन यह सब एक संभावना मात्र है। साउथ कोरिया अपने देश के हित में फैसले लेने के लिए स्वतंत्र है। यूएन में साउथ कोरिया एक देश के तौर पर दर्ज हैं। खबरों के अनुसार दक्षिण कोरिया और अमेरिकी अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने युद्धाभ्यास किया हैं। दोनों देशों के बीच बमबारी अभ्यास किया गया। सियोल की सेना ने कहा, उत्तर कोरिया द्वारा जापान के ऊपर एक इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल की गोलीबारी के जवाब में इस तरह का युद्धाभ्यास किया गया हैं। उत्तर कोरिया मिलाइलों का परिक्षण करके पड़ोसी देशों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा हैं। ऐसे में किम जोंग-उन को जवाब दिया गया है।

सियोल के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने पीले सागर का जिक्र करते हुए कहा चार दक्षिण कोरियाई वायु सेना एफ-15केएस और चार अमेरिकी वायु सेना एफ-16 सेनानियों की भागीदारी के साथ, दक्षिण कोरिया के एफ-15के ने पश्चिम में जिक्डो शूटिंग क्षेत्र में एक आभासी लक्ष्य के खिलाफ दो संयुक्त प्रत्यक्ष हमले के युद्ध बम दागे। उन्होंने कहा कि अभ्यास का उद्देश्य सहयोगियों की 'उकसाने की उत्पत्ति पर सटीक हमले करने की क्षमता' का प्रदर्शन करना है।

आपको बता दें कि उत्तर कोरिया ने एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जो जापान के ऊपर से गुजरते हुए प्रशांत महासागर में जा गिरी। जापान और दक्षिण कोरिया ने यह जानकारी दी। ऐसा माना जा रहा है कि उत्तर कोरिया ने क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों को निशाना बनाने वाले हथियारों का परीक्षण तेज कर दिया है। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि उत्तर कोरिया की ओर से कम से कम एक मिसाइलदागी गई, जिसके जापान के ऊपर गुजरते हुए प्रशांत महासागर में गिरने की आशंका है। जापान के अधिकारियों ने आस-पास की इमारतों को खाली करने के वास्ते पूर्वोत्तर क्षेत्र के निवासियों के लिए 'जे - अलर्ट' जारी किया है। 2017 के बाद पहली बार ऐसा 'अलर्ट' जारी किया गया है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इमरान खान पर देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाया

इस्लामाबाद।(एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने पूर्ववर्ती इमरान खान पर देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए उन्हें 'धरती पर सबसे बड़ा झूठा' करार देते हुए कहा कि उन्होंने (खान ने) अप्रैल में सत्ता से हटने के बाद 'मतदाताओं का खतरनाक ध्रुवीकरण' करने के लिए समाज में जहर घोला। पाकिस्तान के 'द गार्डियन' अखबार को दिए साक्षात्कार में शरीफ ने 2018 से इस साल अप्रैल तक खान के शासन के दौरान देश को घरेलू और विदेशी मोर्चे पर हुए 'नुकसान' के बारे में बात की।

बढ़ती मुद्रास्फीति, आसमान छूते विदेशी कर्ज और घटते विदेशी मुद्रा भंडार से जूझ रहा पाकिस्तान वर्तमान में एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट के बीच में है। पाकिस्तान अभूतपूर्व बाढ़ की भी चपेट में है। पाकिस्तान में बाढ़ से 1,600 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और

3.3 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। बाढ़ से देश का करीब एक तिहाई भू-भाग डूब गया और करीब 30 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। शरीफ (71) ने खान को 'झूठा और धोखेबाज' करार दिया जिनकी नीतियों ने अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया था। उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी घोषणापत्र पर चलने वाले खान पर अपने निजी एजेंडे के अनुरूप देश के मामलों का संचालन इस तरह से करने का आरोप लगाया जिसका उल्लेख 'देश के इतिहास में सबसे अनुभवहीन, आत्म-केंद्रित, अहंकारी, अपरिपक्व राजनेता' के रूप में किया जा सकता है। खान को अप्रैल में संसद में अविश्वास मत हारने के बाद सत्ता से बाहर होना पड़ा था हालांकि उन्हें इसे अमेरिका के नेतृत्व में उन्हें निशाना बनाने की साजिश करार दिया था क्योंकि वह रूस, चीन और अफगानिस्तान को लेकर विदेश नीति संबंधी स्वतंत्र फैसले कर रहे थे। खान ने बार-बार आरोप लगाया कि वोट अमेरिका द्वारा उनके खिलाफ एक 'विदेशी साजिश' थी और इसे साबित करने के लिए एक राजनयिक संदेश होने का दावा किया। अमेरिका ने उनके सत्ता से निष्कासन में किसी भी भूमिका से इनकार किया है। पिछले हफ्ते खान द्वारा प्रधानमंत्री रहते हुए अपने कार्यालय में आयोजित निजी अनौपचारिक बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग इंटरनेट पर लीक होने के बाद यह मुद्दा और बढ़ गया था। कथित लीक ऑडियो में वह इस बारे में बात कर रहे हैं कि अप्रैल में नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव में उनके निष्कासन को एक साजिश के रूप में पेश करने के लिए वाशिंगटन में पाकिस्तानी दूत के कूट लेख का कैसे फायदा उठाया जाए।

वैज्ञानिकों ने पता लगाया, कोविड-19 कैसे हृदय को नुकसान पहुंचाता है

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

कोरोना वायरस संक्रमण कैसे हृदय की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है, अनुसंधानकर्ता इस बात का पता लगाने में कामयाब रहे हैं। इससे कोविड-19 से उबरे मरीजों में पनपने वाली हृदय संबंधी समस्याओं का बेहतर उपचार खोजने की उम्मीद जगी है। ऑस्ट्रेलिया स्थित क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने एक छोटे समूह पर किए गए अनुसंधान में पाया कि कोविड-19 संक्रमण हृदय के ऊतकों में मौजूद डीएनए को नुकसान पहुंचाता है। इंफ्लुएंजा से संक्रमित मरीजों के मामले में ऊतकों के डीएनए में नुकसान देखने को नहीं मिला। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि कोविड-19 और इंफ्लुएंजा, दोनों ही श्वास तंत्र से जुड़े गंभीर संक्रामक रोग हैं, लेकिन इनके हृदय के ऊतकों को अलग-अलग तरीके से प्रभावित करने के संकेत मिले हैं। अनुसंधान दल में शामिल अरुथ कुलसिंघे के मुताबिक, 'कोविड-19 ने मरीजों में 2009 में फैली इंफ्लुएंजा महामारी के मुकाबले ज्यादा गंभीर और दीर्घकालिक हृदयरोगों को जन्म दिया है, लेकिन आणविक स्तर पर इसका क्या कारण था, यह ज्ञात नहीं था।' उन्होंने कहा, 'हमारे अनुसंधान में हमें कोविड-19 से संक्रमित मरीजों के हृदय के ऊतकों में वायरस के अंश नहीं मिले, लेकिन हमने उनमें डीएनए में नुकसान और उसकी मरम्मत से जुड़े बदलाव जरूर दर्ज किए।' कुलसिंघे के अनुसार, डीएनए में नुकसान और उसकी मरम्मत की प्रक्रिया डायबिटीज, कैंसर, एथेरोस्क्लेरोसिस (हृदय की धमनियों में वसा जमने से रक्त प्रवाह बाधित होना) और न्यूरोडिजनरेटिव विकार (ऐसी बीमारियां, जिनमें तंत्रिता तंत्र की कोशिशकाएं या तो नष्ट हो जाती हैं या फिर काम करना बंद कर देती हैं) जैसी दीर्घकालिक बीमारियों से संबंधित है, लिहाजा यह जानना अहम है कि कोविड-19 के मरीजों में ऐसा क्योंहोता है।

सार समाचार

उत्तरकाशी में फंसा ट्रैकर्स का दल, रेस्क्यू के लिए सेना को बुलाया गया, राजनाथ ने सीएम धामी से की बात

नयी दिल्ली। उत्तराखंड से एक बड़ी खबर आ रही है। मौसम ने करवट ली और पहाड़ों पर बर्फबारी शुरू हो गई जिसकी वजह से द्रौपदी का डंडा में हिमस्खलन की चपेट में 29 लोग आ गए हैं। बताया जा रहा है कि यह सभी उत्तरकाशी स्थित नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रशिक्षणार्थी थे। इसको लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मदद मांगी है। केंद्र सरकार की ओर से इस पूरे अभियान में हर संभव मदद का भरोसा दिया गया है। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जोरों पर है। अब तक 8 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि उत्तरकाशी में नेहरू पर्वतारोहण संस्थान द्वारा किए गए पर्वतारोहण अभियान में भूस्खलन के कारण बहुमूल्य जानमाल के नुकसान से गहरा दुख हुआ। अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। राजनाथ ने आगे लिखा कि सीएम उत्तराखंड पुष्कर सिंह धामी से बात की है और स्थिति का जायजा लिया। फंसे हुए पर्वतारोहियों की मदद के लिए बचाव कार्य जारी है। मैंने वायुसेना को बचाव और राहत अभियान चलाने का निर्देश दिया है। सभी की सुरक्षा और सलामती के लिए प्रार्थना। वायुसेना ने बताया कि उत्तरकाशी क्षेत्र में बचाव और राहत कार्यों के लिए IAF द्वारा 2 चीता हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है। अन्य सभी हेलिकॉप्टरों के बेड़े को किसी भी अन्य आवश्यकता के लिए स्टैंडबाय पर रखा गया है। वहीं, धामी ने कहा कि द्रौपदी का डांडा-2 पर्वत चोटी में हिमस्खलन में फंसे प्रशिक्षार्थियों को जल्द से जल्द सकुशल बाहर निकालने के लिए NIM की टीम के साथ जिला प्रशासन, NDRF, SDRF, सेना और ITBP के जवानों द्वारा तेजी से राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है।

आदिपुरुष के टीजर पर बढ़ा बवाल, नरोत्तम मिश्रा बोले- यह हिंदू धर्म की आस्था पर कुठाराघात

नई दिल्ली। फिल्म आदिपुरुष का टीजर जारी हो गया है। लेकिन इसको लेकर अब राजनीतिक बवाल भी शुरू हो गया है। भाजपा नेताओं के साथ साथ कई हिंदू धर्म के धर्म गुरुओं ने भी फिल्म के टीजर पर सवाल उठा दिए हैं। हिंदू धर्म गुरुओं और भाजपा नेताओं का दावा है कि फिल्म के टीचर में हनुमान जी को चमड़े का वस्त्र पहना दिखाया गया है। यह हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ है। इसी को लेकर मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्र का भी बड़ा बयान आया है। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि फिल्म आदिपुरुष में हिंदू धर्म की आस्था पर कुठाराघात और धार्मिक भावना को आहत करने वाले कई आपत्तिजनक दृश्य हैं। इस पर फिल्म के निर्माता-निर्देशक ओम राउत जी को पत्र लिख रहा हूं। इसके बाद भी आपत्तिजनक दृश्य नहीं हटाए जाते हैं, तो कानूनी पक्ष पर विचार किया जाएगा। नरोत्तम मिश्रा ने 'आदि पुरुष' के निर्माताओं को साफ तौर पर चेतावनी देते हुए कहा कि यदि फिल्म से हिंदू धार्मिक हस्तियों को 'गलत तरीके से' दिखाने वाले दृश्यों को हटाया नहीं गया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ट्रेलर में हिंदू देवी देवताओं का जो रूप और जो कपड़े दिखाए गए हैं वह स्वीकार्य नहीं हैं। मिश्रा ने यह भी कहा कि फिल्म में हनुमान जी को चमड़ा पहने दिखाया गया है जबकि उनकी वेशभूषा का वर्णन (शास्त्रों में) अलग है... ये ऐसे दृश्य हैं जो धार्मिक भावनाओं को आहत करते हैं। फिल्म से ऐसे सभी दृश्य हटाने के लिए मैं ओम राउत को पत्र लिख रहा हूं। अगर इन्हें नहीं हटाया गया तो हम कानूनी कार्रवाई पर विचार करेंगे।''

गूगल से ट्रांसलेट करने वालों को बड़ा झटका कर दी अपनी सर्विस बंद

नई दिल्ली । दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन ने चीन में गूगल ट्रांसलेशन सर्विस को बंद कर दिया है। इससे पहले गूगल ने अपने प्रोडक्ट्स की मैन्यूफैक्चरिंग चीन से दूसरे देशों में शिफ्ट की थी। उसके बाद अब गूगल ट्रांसलेट सर्विस ही बंद कर दी है। बता दें चीन ने ज्यादातर देशों की सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली ज्यादातर सेवाओं पर प्रतिबंध लगा कर रखा है। गूगल ट्रांसलेट चीन में गूगल द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली चुनिंदा सेवाओं में से एक था, जिसे अब बंद कर दिया गया है। जारी रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन में अमेरिकी टेक कंपनी ने ट्रांसलेशन सर्विस को कम इस्तेमाल किए जाने के कारण बंद कर दिया है। चीन में ट्रांसलेशन वेबसाइट खोलने पर अब एक सामान्य 'सर्च बार' और 'लिंक' नजर आता है, जो क्लिक करने पर उन्हें हांगकांग में उपलब्ध कंपनी के वेबपेज पर ले जाता है। यह वेबपेज चीन में प्रतिबंधित है। चीन के कई उपयोगकर्ताओं ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में शनिवार से ही 'गूगल ट्रांसलेट' सेवा के इस्तेमाल न कर पाने की जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि गूगल के क्रोम ब्राउजर में उपलब्ध अनुवाद फीचर भी अब चीन में काम नहीं कर रहा है। गूगल ने एक बयान जारी कर कहा कि चीन में 'कम इस्तेमाल' के कारण 'गूगल ट्रांसलेट' सेवा बंद कर दी गई है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि चीन में कितने उपयोगकर्ता 'गूगल ट्रांसलेट' सेवा का इस्तेमाल करते थे। गूगल ने 2017 में चीन के अंदर ट्रांसलेशन ऐप लॉन्च किया था। चीनी यूजर्स को रिझाने के लिए कंपनी ने मशहूर चीनी-अमेरिकी रैपर एमसी जिन से एड भी कराया था।

रेवड़ी कल्चर को लेकर निर्वाचन आयोग ने पार्टियों को दी सलाह, वित्तीय व्यवहारिकता की दें जानकारी

नई दिल्ली । निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को चुनावी वादों की वित्तीय व्यवहार्यता के बारे में मतदाताओं को प्रामाणिक जानकारी प्रदान करने को लेकर राजनीतिक दलों को पत्र लिखा और इस मुद्दे पर उनके विचार जानने चाहे। निर्वाचन आयोग ने कहा कि वह चुनावी वादों पर पूर्ण जानकारी ना देने और उसके वित्तीय स्थिरता पर पड़ने वाले अवांछनीय प्रभाव की अनदेखी नहीं कर सकता है क्योंकि खोखले चुनावी वादों के दूरगामी प्रभाव होंगे। राजनीतिक दलों द्वारा किए गए चुनावी वादों की घोषणा संबंधी प्रस्तावित प्रारूप में तथ्यों को तुलना योग्य बनाने वाली जानकारी की प्रकृति में मानकीकरण लाने का प्रयास किया गया है। प्रस्तावित प्रारूप में वादों के वित्तीय निहितार्थ और वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता की घोषणा करना अनिवार्य है। सुधार के प्रस्ताव के जरिये, निर्वाचन आयोग का मकसद मतदाताओं को घोषणापत्र में चुनावी वादों की वित्तीय व्यवहार्यता के बारे में सूचित करने के साथ ही यह भी अवगत कराना कि क्या वे राज्य या केंद्र सरकार की वित्तीय क्षमता के भीतर हैं या नहीं।

कठिन परिश्रम, समर्पण और समाजसेवा को लेकर दुनियाभर में जाने जाते हैं गुजराती : मुर्मू

-राष्ट्रपति ने कहा सभी भारतीय खाते हैं गुजरात में पैदा होने वाला नमक

नई दिल्ली । दो दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि देश में 76 फीसद नमक का उत्पादन गुजरात राज्य करता है और यह कहा जा सकता है कि राज्य द्वारा उत्पादित नमक सभी भारतीयों द्वारा खाया जाता है। जुलाई में राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालने के बाद गुजरात की पहली यात्रा पर पहुंचीं मुर्मू यहां राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में गुजरात के योगदान की प्रशंसा की और कहा कि राज्य के लोग अपने कठिन परिश्रम, समर्पण और समाज सेवा को लेकर दुनियाभर में जाने जाते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा भारत दुग्ध उत्पादन एवं उपभोग की दृष्टि से पहले नंबर पर है। गुजरात में दुग्ध सहकारी संगठनों द्वारा लायी गयी श्वेत क्रांति इसमें एक अहम भूमिका निभाती है। गुजरात देश के 76 फीसदी नमक का उत्पादन करता है। कहा जा सकता है कि सब देशवासी गुजरात का नमक खाते हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से गुजरात भारत की संस्कृति एवं सभ्यता का बड़ा केंद्र रहा है। हड़प्पा सभ्यता से जुड़ा धोलावीरा गुजरात में है। सम्राट अशोक का शिलालेख जूनागढ़ में तथा मोधेरा में सूर्य मंदिर है। सूरत और मांडवी के व्यापारिक केंद्र समृद्ध संस्कृति के प्राचीन उदाहरण हैं। मुर्मू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात की प्रगतिशील एवं समावेशी संस्कृति के आदर्श प्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात मॉडल को एक आकार दिया जिससे राज्य की प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचीं मुर्मू ने कहा कि गुजरात सरकार औद्योगिक विकास के साथ ही पर्यावरण के संरक्षण को शीर्ष प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा गुजरात सर्वाधिक निवेशक अनुकूल राज्यों में शामिल है।

एलएसी पर चीनी गतिविधियों से निपटने के लिए उपयुक्त कदम उठाए हैं : वायु सेना प्रमुख

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय वायु सेना ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी गतिविधियों से निपटने के लिए ''तनाव न बढ़ाने वाले'' उपयुक्त कदम उठाए हैं। आठ अक्टूबर को वायु सेना दिवस के मद्देनजर एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक स्तर पर हाल के घटनाक्रम किसी भी चुनौती से निपटने के लिए मजबूत सेना की आवश्यकता को बताते हैं।

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि भारतीय वायु सेना ''सबसे खराब स्थिति'' समेत सभी तरह की सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयारी कर रही है और वह किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, ''हम सक्रिय रूप से तैनात और सतर्क रहते हैं।'' उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना एलएसी पर चीन की सभी गतिविधियों पर नजर रखती रहेगी। चीन द्वारा एलएसी के समीप लड़ाकू विमान उड़ाने की हाल की घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि तनाव ना बढ़े, इसके लिए उपयुक्त कदम उठाए गए हैं और पड़ोसी देश को एक संदेश दिया गया है।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि स्थिति तभी सामान्य मानी जाएगी जब पूर्वी लद्दाख में यथास्थिति बनायी जाएगी और गतिरोध वाले सभी बिन्दुओं से सैनिकों को पूरी तरह से हटा लिया जाएगा। तीनों सेनाओं की महत्वाकांक्षी एकीकरण योजना का जिक्र करते हुए चौधरी ने कहा कि भारतीय वायु सेना भविष्य के युद्धों के लिए सहयोगी सेनाओं के एक साथ मिलकर काम करने की अनिवार्यता को समझती है। उन्होंने कहा, ''हम तीनों सेनाओं के एकीकरण के खिलाफ नहीं हैं, हमारी आपत्तियां केवल कुछ संरचनाओं को लेकर है।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय वायु सेना रक्षा उत्पादन में आत्म-निर्भरता के लिए सरकार के साथ तालमेल कर रही है।

वायुसेना में महिला अग्निवीरों को अगले साल से शामिल किया जाएगा

स्वेदेशी स्पेयर पार्ट्स की खरीदी कर रही वायुसेना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन से लगी सीमा से लेकर भारतीय वायुसेना में महिला अग्निवीरों की भर्ती को लेकर एयरफोर्स चीफ ने बड़ा बयान दिया है। वायुसेना प्रमुख विवेक राम चौधरी ने कहा कि वायुसेना में महिला अग्निवीरों को अगले साल से शामिल करने की योजना है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि अग्निपथ योजना के तहत 'एयर वॉरियर की भर्तियों को सुव्यवस्थित कर दिया गया है और इस साल दिसंबर में 3,000 अग्निवीर वायु को भारतीय एयर फोर्स में शामिल किया जाएगाज महिला अग्निवीरों की भर्ती की योजना अगले साल के लिए बनाई है।

वहीं, पूर्वी लद्दाख में एलएसी के समीप चीनी गतिविधियों पर वायु सेना प्रमुख चौधरी ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की गतिविधियों की निगरानी जारी है और हम उपयुक्त कदम उठाते हैं। तनाव ना बढ़े, इसके लिए उपयुक्त प्रयास किए जा रहे हैं। एलएससी से लगे इलाकों में डिसइंगेजमेंट की गई है। हम चीनी वायु सेना की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। हमारे द्वारा रेडार और वायु रक्षा नेटवर्क की उपस्थिति बढ़ाई है। हमने उचित समय पर गैर-एस्केलेटर उपाय किए हैं। एलएसी के निकट चीनी विमानों के उड़ने की घटनाओं पर वायु सेना प्रमुख ने कहा कि हवाई सीमा क्षेत्र के उल्लंघन के मामलों को उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए हम सरकार के साथ हैं। भविष्य के युद्धों के लिए सहयोगी बलों के साथ संयुक्त योजना और उनके निष्पादन की आवश्यकता को हम समझते हैं। उन्होंने कहा कि वायुसेना परिवर्तन की राह पर है। सालों से वायुसेना ने अपनी क्षमताओं को साबित किया है।

राजौरी में अमित शाह की हुंकार, 3 परिवारों ने जम्मू-कश्मीर को लूटा, 370 खत्म होने से आम लोगों को हुआ फायदा

जमू (एजेंसी)।

तीन दिवसीय जम्मू कश्मीर यात्रा पर पहुंचे अमित शाह ने आज राजौरी में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान अमित शाह ने विपक्ष पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा और कहा कि 370 खत्म होने के बाद यहां आम लोगों को फायदा हुआ है। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि 70 वर्ष तक जम्मू-कश्मीर पर तीन परिवारों ने राज किया, लोकतंत्र सिर्फ अपने परिवारों में बना दिया था। आप सभी को कभी भी ग्राम पंचायत, तहसील पंचायत, जिला पंचायत का अधिकार मिला था क्या? तीन परिवारों ने लोकतंत्र का, जम्हूरियत का मतलब सिर्फ पीढ़ियों तक शासन करना निकाल दिया था।

गृह मंत्री ने कहा कि देश में सरकार बदली, 2014 से नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बनें, तब मोदी जी ने सबसे पहले जम्मू-कश्मीर में पंचायत के चुनाव कराए। पहले जो सिर्फ तीन परिवार के पास था, आज 30 हजार के पास जम्मू-कश्मीर का शासन आया है। अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने 5 अगस्त 2019 को एक महत्वपूर्ण फैसला दिया, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को उखाड़ कर फेक दिया। अगर अनुच्छेद 370 और 35ए नहीं हटता तो जम्मू-कश्मीर में ट्राइबल रिजर्वेशन नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 और 35ए हटने से यहां पिछड़ों को, दलितों को, आदिवासियों को और पहाड़ियों को अपना अधिकार मिलने वाला है।

शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों ने भ्रष्टाचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। आज मोदी जी पूरे जम्मू-कश्मीर के 27 लाख परिवारों को पांच लाख तक का स्वास्थ्य का पूरा खर्च उठा रहे हैं, 70 वर्ष में इन तीन परिवारों ने दिया क्या? भाजपा नेता ने कहा कि पहले आए दिन जम्मू-कश्मीर से पथराव के समाचार आते थे। आज पथराव के समाचार नहीं आते हैं। मोदी जी ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं को सशक्त करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आजादी से लेकर 2019 तक पूरे जम्मू-कश्मीर में 15 हजार करोड़ रुपये का औद्योगिक निवेश आया था। 2019 से अब तक इन तीन वर्ष में 56 हजार करोड़ रुपये का औद्योगिक निवेश पूरे जम्मू-कश्मीर में आया है।

संजय राउत को नहीं मिली राहत, 10 अक्टूबर तक जेल में रहो

मुंबई । मुंबई के पात्रा चॉल घोटाला केस में फंसे शिवसेना नेता और सांसद संजय राउत को मंगलवार को भी राहत नहीं मिली है। मुंबई की विशेष अदालत ने मंगलवार को शिवसेना सांसद राउत की न्यायिक हिरासत 10 अक्टूबर तक के लिए बढ़ाया दिया। अब 10 अक्टूबर को ही राउत की जमानत अर्जी पर सुनवाई होगी। दरअसल, ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने गोरेगांव इलाके में पात्रा चॉल के पुनर्विकास में कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में राउत को 1 अगस्त को गिरफ्तार किया था। बता दें कि 60 वर्षीय राज्यसभा सांसद राउत तभी से जेल में हैं। इतना ही नहीं, ईडी ने पिछले महीने पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें राउत को मामले में आरोपी बनाया गया था। कोर्ट ने पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लिया, जिसमें उनका नाम धनशोधन के मामले में आरोपी के रूप में लिया गया है। राउत ने जमानत के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) मामलों की विशेष अदालत का रुख किया था। विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने अभियोजन की शिकायत पर संज्ञान लेकर शिवसेना सांसद के सहयोगी प्रवीण राउत सहित मामले के सभी आरोपियों को समन जारी किया था। शिवसेना नेता की जमानत पर सुनवाई 21 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई थी, क्योंकि उनके वकील ने कहा था कि वह आरोपपत्र का अध्ययन करना चाहते हैं और उनकी याचिका में अतिरिक्त आधार जोड़ने का फैसला करना चाहते हैं।

हैदराबाद में मिले ग्रेनेड पाकिस्तानी ड्रोन से गिराए गए थे, जांच में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हैदराबाद से गिरफ्तार किए गए तीन आतंकवादियों के पास से चार ग्रेनेड बरामद किए गए है। माना जा रहा है कि ये ग्रेनेड पाकिस्तानी ड्रोन की मदद से पंजाब बॉर्डर के पास कुछ महीनों पूर्व गिराए गए थे। ये जानकारी तेलंगाना पुलिस के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने दी है।

सूत्रों के मुताबिक पुलिस आतंकवादियों के नेटवर्क को ट्रैक करने की कोशिश में जुटी हुई है। पुलिस को पता चला है कि लश्कर से संबंधित आतंकवादियों को अब्दुल जाहेद, मोहम्मद समीउद्दीन और माज़ हसन फारूक को एयरड्रॉप की गई खेप की तस्करी की थी। माना जा रहा है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी को इस मामले की जांच सौंपी जा सकती है। पुलिस ने बातचीत में बताया कि आरोपियों को आतंकी खेप का एक हिस्सा मिला था। जांच पड़ताल में हमें उन लोगों के बारे में भी सुराग मिला है जिन्होंने चीन में बने हथगोले आतंकी सरगना जाहेद को भेजे थे। जांच में ये भी पता चला कि इनके काम करने का तरीका हरियाणा, महाराष्ट्र ते नांदेड़ और तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में हुई तस्करी के समान है। बता दें इन तीनों जगहों पर इस वर्ष मई में खेप एयरड्रॉप होने के बाद जब्त की गई थी। खुफिया एजेंसी के अधिकारी के अनुसार हैदराबाद में भी जो ग्रेनेड मिले हैं वो पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा ही एयरड्रॉप किए गए थे। बता दें कि रविवार को रविवार को गिरफ्तार किए गए तीन आतंकियों में से जाहेब मुख्य है, क्योंकि ये अपने फरहतुल्ला गोरी, सिद्दीकी बिन उस्मान, अब्दुल मजीद के इशारे पर काम कर रहा था। जाहेद तीनों के साथ संपर्क में था। माना जा रहा है कि ये तीनों पाकिस्तान के रावलपिंडी में छिपे हुए हैं। इनके ही इशारे पर दशहरा पर सार्वजनिक स्थानों पर आतंक फैलाने के लिए ये साजिश रची गई थी। अधिकारी ने संदेह जताते हुए कहा कि चीनी गोला बारूद भारत आने से पहले पाकिस्तान पहुंचा था। उन्होंने कहा कि हम आरोपियों को हिरासत में लेकर मॉड्यूल पर लेकर उनसे सख्त पूछताछ करेंगे।

मिशन 2024 के लिए तैयार भाजपा, जेपी नड्डा टीम को और अधिक मजबूत किया जाएगा

कई नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी कई कदम उठाने जा रही है। मिशन 2024 को देखकर अपनी रणनीति को अमलीजामा पहनाने के लिए भाजपा जेपी नड्डा टीम में जल्द ही और कई नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा कर सकती है। माना जा रहा है कि 2024 तक बीजेपी अध्यक्ष नड्डा ही इस टीम की कमान संभालने वाले हैं ,क्योंकि नियमानुसार अभी तक बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनावी कार्यक्रम की घोषणा होनी थी मगर जिस तरह से कुछ दिन पहले बिहार, छत्तीसगढ़ सहित कई प्रदेशों के प्रदेश प्रभारियों की घोषणा की गई, उससे साफ संकेत मिलते हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में जेपी नड्डा के नेतृत्व वाली टीम ही काम करेगी।

इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव वाले राज्य गुजरात और हिमाचल में भी भाजपा अपने चुनाव प्रभारियों की घोषणा आने वाले कुछ दिनों में कर देगी। इतना ही नहीं, कुछ प्रदेशों के प्रदेश प्रभारी भी बदले जा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, आगामी समय में सियासी चुनौतियों को देखकर मीडिया और सोशल मीडिया टीम को भी और अधिक मजबूत किया जाएगा। बताया गया कि तकनीक के साथ-साथ टीम में भी विस्तार होगा।

पीएफआई यानी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर प्रतिबंध लगाकर मोदी सरकार ने अभी से संकेत दे दिया है कि उनकी सरकार राष्ट्र विरोधियों के लिए सख्त कदम उठाने से बिल्कुल भी पीछे नहीं हटेगी। साथ ही बिहार में नीतीश के झटका देने से बदली परिस्थितियों के बीच संगठन और सरकार का अनुभव रखने वाले राष्ट्रीय महासचिव विनोद तांवड़े को प्रभारी बनाकर भी बीजेपी ने जता दिया कि वह आगामी चुनावों के लिए कितनी गंभीर है और किसी भी मोर्चे पर विरोधियों को कोई मौका नहीं देना चाहती।

दरअसल, नड्डा की अगुआई में जहां भाजपा मोदी सरकार की गरीब और वंचितों के लिए बनाई गई योजनाओं को उस तबके तक पहुंचाने के साथ-साथ उनके लाभार्थियों तक पहुंचने की रणनीति पर काम कर रही है, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीमांत क्षेत्र कश्मीर घाटी के क्षेत्रों के दौरे से अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है।

सूत्रों ने बताया कि अपनी रणनीति को फूलप्रूफ बनाने के लिए बीजेपी अपने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की संख्या में भी कुछ इजाफा कर सकती है और उन्हें प्रदेशों के साथ-साथ लोकसभा क्षेत्रों के हिसाब से भी जल्द ही जिम्मेदारी दे सकती है, जिससे चुनाव का होमवर्क समय से पहले पूरा हो जाए। साथ ही इसके बाद जो ग्राउंड से फीडबैक आए, उसके हिसाब से ही जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप भाजपा अपना घोषणापत्र जारी करेगी।

बाल विवाह को 'शून्य' घोषित करने का कानून स्वागत योग्य, लेकिन कानून का कड़ाई से पालन जरूरी

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

हरियाणा एक ऐसा राज्य है जिसके खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है और जिसकी पहचान देश के एक उन्नत औद्योगिक राज्य के रूप में होती है लेकिन इसी राज्य की एक और तस्वीर है जो चिंताजनक है। आधिकारिक आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि राज्य में पिछले तीन साल में बाल विवाह के मामलों में इजाफा हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि बाल विवाह के मामले में हरियाणा देशभर में 15वें स्थान पर है।

पिछले दिनों भले ही हरियाणा सरकार ने बाल विवाह को 'शून्य' घोषित करने का कानून बनाया है, लेकिन भारत सरकार की साल 2011 की जनगणना के अनुसार बाल विवाह के मामले में राज्य का देश में 15वां स्थान है। इसी जनगणना के अनुसार राज्य में 2,47,860 बाल विवाह हुए हैं। यह देश के कुल बाल विवाह का दो प्रतिशत हैं। नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत?यार्थी द्वारा स्थापित कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन(केएससीएफ) द्वारा यहां आयोजित 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान में जुटी स्वयंसेवी संस्थाओं ने हरियाणा की इस स्थिति पर चिंता जाहिर की। साथ ही सरकार से अपील की कि नए कानून का सख्ती से पालन करवाया जाए ताकि अपराधियों के मन में खौफ पैदा हो और 'बाल विवाह' की सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म किया जा सके। इस संबंध में केएससीएफ ने चंडीगढ़ के हरियाणा निवास में राज?य सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ एक सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें 'बाल विवाह' पर कैसे लगाम लगाई जाए? इस पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के ताजा आंकड़े भी साल 2011 की जनगणना के आंकड़ों की तस्दीक करते हैं। इसके अनुसार देश में 20 से 24 साल की उम्र की 23.3 प्रतिशत महिलाएं ऐसी हैं जिनका बाल विवाह हुआ है। वहीं, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो(एनसीआरबी) के अनुसार हरियाणा में साल 2019 में 20, साल 2020 में 33 और साल 2021 में 33 बाल विवाह के मामले दर्ज किए गए। लैंगिक अनुपात में भी राज्य की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। इसीलिए दूसरे राज्यों से नाबालिग बच्चियों को खरीदकर यहां लाने और शादी करने के मामले भी लगातार सामने आते रहते हैं। इसी साल मई में बिहार के जहानाबाद जिले से एक 14 साल की नाबालिग बच्ची को हरियाणा के कैथल जिले में शादी के लिए बेचे जाने का मामला सुर्खियों में रहा था।

इससे साफ है कि 'बाल विवाह' जैसी सामाजिक बुराई के प्रति लोग जागरूक नहीं हो रहे हैं और सुरक्षा एजेंसियां इसे गंभीरता से नहीं ले रही हैं। सम्मेलन में इस स्थिति पर चिंता जाहिर की गई। साथ ही इस अवसर पर जनता, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से बाल विवाह के मामलों में गंभीरता बरतने व सख्त से सख्त कदम उठाने की अपील की गई। इस पर सहमति जताई गई कि सख्त कानूनी कार्रवाई से ही बाल विवाह को रोका जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहले छापेमारी में 25 करोड़ और अब सीधे 316 करोड़ के नकली नोट जब्त, मास्टरमाइंड समेत 6 गिरफ्तार

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत जिला कामरेज पुलिस ने इससे पहले अहमदाबाद से मुंबई जाने वाली सड़क पर नवी पारदी गांव के बाहरी इलाके से एक डुप्लीकेट नोट जब्त किया था. तब पुलिस ने आरोपितों के 25 करोड़ के नकली नोट घोटाले का खुलासा किया था. उसके बाद आज फिर से करेंसी नोटों के मामले में एक नया खुलासा हुआ है. जिसमें 52 करोड़ से ज्यादा के नकली नोटों की ट्रेन गुजरात, मुंबई के बाद अब दिल्ली पहुंच गई है. पुलिस ने मुंबई से मास्टरमाइंड विकास जैन समेत ६ लोगों को गिरफ्तार किया और पुलिस ने अलग-अलग जगहों से 316 करोड़ 98 लाख नकली नोट जब्त किए.

मुंबई के मुख्य सूत्रधार का नाम सामने आया पिछले 29 तारीख को पुलिस ने कामरेज के नवी पारदी स्थित जामनगर के एक चैरिटेबल ट्रस्ट की एंबुलेंस से करोड़ों के नोट जब्त किए. पूरे चैप्टर में एंबुलेंस चालक हितेश के घर के पीछे 52 करोड़ से ज्यादा के नकली नोट छिपे मिले। पूरे मामले की जांच के दौरान नकली नोटों के रैकेट ने मुंबई की ओर रुख किया और मुंबई में मास्टरमाइंड विकास जैन का नाम सामने आया। मुंबई पुलिस ने मुख्य मुखबिर विकास जैन समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है. मुंबई की वीआर लॉजिस्टिक्स कंपनी के मालिक विकास जैन और उनके सह-आरोपियों ने कई लोगों को ठगा. यह भी सामने आया है कि जो लोग उस व्यक्ति के साथ व्यवहार करते समय अग्रिम टोकन के रूप में कुछ राशि लेते थे, उन्होंने राजकोट के एक व्यापारी के साथ एक करोड़ से अधिक की ठगी की। नकली नोटों को असली बताने के पूरे रैकेट में जब नोट पहली बार पकड़े गए, तो उन्होंने यह कहकर पुलिस को गुमराह किया कि वे उनका इस्तेमाल फिल्मों की शूटिंग के लिए कर रहे हैं। हालांकि, तपस के दौरान ट्रेन मुंबई पहुंच गई और वीआर लॉजिस्टिक्स कंपनी के मालिक विकास जैन के पूरे रैकेट को चलाने का खुलासा हुआ। जिसमें उन्होंने ट्रस्ट का दुरुपयोग किया और नकली नोटों को असली बताकर बुकिंग के नाम पर लाखों रुपये चुरा लिए.

मास्टरमाइंड विकास जैन ने वीडियो कॉल के जरिए नकली नोट दिखाकर न सिर्फ गुजरात बल्कि मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु में भी पूरा नेटवर्क बना लिया था । जांच में सामने आया है कि सभी राज्यों में मोंगीदत कार्यालय स्थापित किए गए हैं। आमतौर पर अगर कोई व्यक्ति किसी ट्रस्ट को दान देता है या कहीं पैसा निवेश करता है और 50 प्रतिशत राशि नकद में देखना चाहता है, तो ये आरोपी वीडियो कॉल के माध्यम से नकली नोट दिखाते हैं और उन्हें विश्वास में लेते हैं। पूरे मामले में गांव पुलिस के साथ बैंकर्स और आरबीआई की टीम भी लगातार जांच की निगरानी कर रही है.

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

(1) हितेश परसोतम कोटलिया
(2) दिनेश लालजी पोशिया
(3) विपुल हरीश पटेल
(4) विकास पद्मचंद जैन
(5) दीनानाथ रामनिवार यादव
(6) अनुश विरांची शर्मा

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री ने उधना-बनारस सुपरफास्ट एक्सप्रेस के उद्घाटक सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, केंद्रीय रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने मंगलवार, 4 अक्टूबर, 2022 को उधना स्टेशन से नई उधना-बनारस सुपरफास्ट एक्सप्रेस की उद्घाटक सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती संगीताबेन पाटील एवं श्रीमती जंखना पटेल और अन्य गणमान्यस अतिथियों के साथ-साथ पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जी.वी.एल सत्यायकुमार और वरिष्ठ रेल अधिकारी भी उपस्थित थे। केंद्रीय रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने अपने संबोधन में इस नई ट्रेन को शुरूकरने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह नई ट्रेन टेक्सटाइल सिटी सूरत (गुजरात) और आध्यात्मिक शहर बनारस (उत्तर प्रदेश) के बीच बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और दोनों क्षेत्रों के लोगों के लिए रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी करेगी। एक नेक और प्रेरक पहल में माननीया रेल राज्यो मंत्री ने उधना रेलवे स्टेशन पर कार्यरत सबसे वरिष्ठ कर्मचारी सीनियर पॉइंट्समैन राजेश बंशीवाल बेबरे को सम्मातनित किया। अपनी नियमित सेवा में ट्रेन संख्या 20961 उधना-बनारस सुपरफास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस प्रत्येक मंगलवार को उधना से 07.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.50 बजे बनारस पहुंचेगी। यह ट्रेन 11 अक्टूबर, 2022 से नियमित रूप से चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 20962 बनारस-उधना सुपरफास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस प्रत्येक बुधवार को बनारस से 17.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.35 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 5 अक्टूबर, 2022 से नियमित रूप से चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में ट्रेन वडोदरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शाजापुर, ब्यावरा राजगढ़, रुठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, मालनपुर, सोनी, भिंड, इटावा, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज और ज्ञानपुर रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय गुजरात दौरा पूर्ण कर दिल्ली के लिए रवाना

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालने के बाद पहली बार गुजरात यात्रा पर आईं राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को गुजरात से रवाना हो गईं।

अहमदाबाद हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को विदाई देने के लिए राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, प्रोटोकोल मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा, मुख्य सचिव श्री पंकज कुमार, राज्य पुलिस महानिदेशक श्री आशिष भाटिया, अहमदाबाद ज़िला कलेक्टर श्री संदीप सागले, अहमदाबाद के महापौर श्री किरीट परमार, अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त श्री संजय श्रीवास्तव आदि महानुभाव उपस्थित रहे।

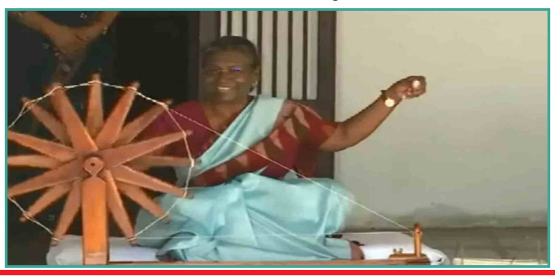

मातर के उंढेरा गांव में गरबा के दौरान पथराव, पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरूकी

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

खेडा, खेड़ा के उंढेरा गांव में कल रात गरबा के दौरान विशेष समुदाय के लोगों के द्वारा पत्थरबाजी की गई। इस घटना में छह लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक नवरात्रि महोत्सव की आठवीं रात खेडा जिले की मातर तहसील के उंढेरा गांव में गरबा चल रहा था। उस वक्त अचानक पथराव होने से अफरातफरी मच गई। इस घटना में छह लोग घायल हो गए। पथराव में एक गाड़ी के शीशे भी टूट गए। खबर मिलते ही खेडा के डीएसपी राजेश गढिया, डीवायएसपी वीआर बाजपेयी समेत पुलिस काफिला मौके पर पहुंच गया और हालात पर काबू पाया। प्राथमिक जांच में पत चला है कि आरिफ और जहीर नामक दो शख्सों के नेतृत्व में कुछ लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया और बाद में अचानक पथराव करने लगे। अचानक पथराव होने से गरबा खेल रहे लोगों में अफरातफरी मच गई। इस दौरान कई लोग पथराव में घायल हो गए। डीएसपी राजेश गढिया के मुताबिक आरोपियों की पहचान की जा रही है और सख्त कार्यवाही की जाएगी। गांव में पुलिस तैनात कर आवश्यक इंतजाम कर लिए गए हैं। आने-जाने वाले सभी लोगों की तलाशी ली जा रही हैं। इस घटना को लेकर लोगों में जबर्दस्त आक्रोश है। उंढेरा गांव के सरपंच का कहना है कि उन्होंने सरपंच बनने पर अष्टमी पर गरबा आयोजित करने की मन्नत रखी थी। इसके अंतर्गत मांडवी चौक से तुलजाभवानी मंदिर तक गरबा का आयोजन किया गया था।